नवम्बर 2023

नारी शक्ति वंदन

समावेशिता के एक नए युग की शुरुआत

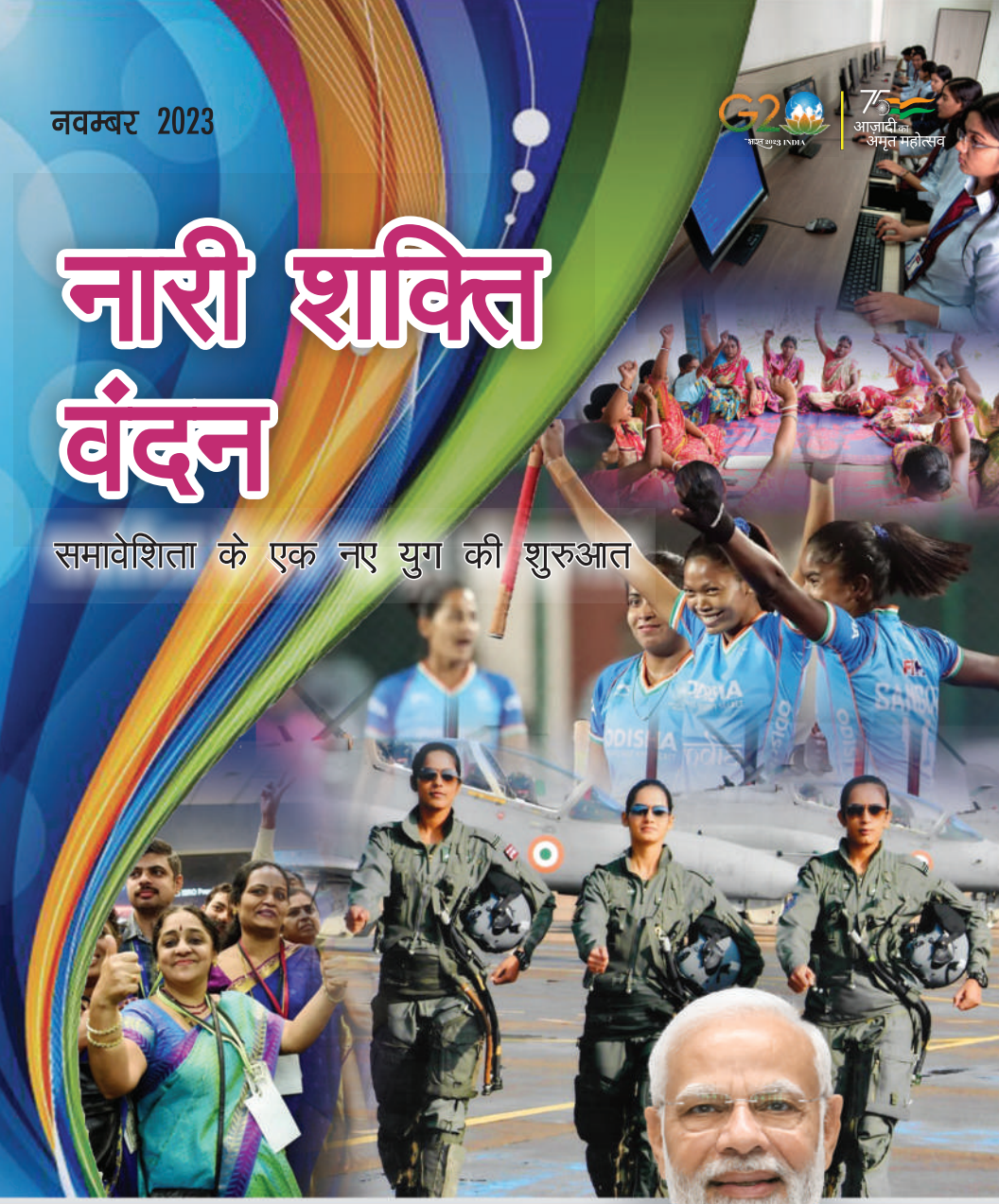

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्बोधन

सूची क्रम

01 प्रधानमंत्री का सन्देश 1

02 मुख्य आलेख

2.1 **प्रगति की अनुगूँज :** भारतीय नारी सबसे आगे 16

2.2 **युवा शक्ति :** भारत के नवाचार और कौशल की ताकत 26

03 संक्षेप में

3.1 **भारत, एक सांस्कृतिक गुलदस्ता** 32

3.2 **स्वच्छ भारत अभियान :** भारत की सामूहिक भावना को मिला नया आकार 36

3.3 **गुजरात का जल उत्सव :** नागरिक नेतृत्व से परिवर्तन 40

3.4 **भविष्य निर्माण :** कौशल विकास की शक्ति 42

3.5 **परिवर्तन की गूँज :** 'मन की बात' का समाज पर प्रभाव 44

04 लेख

4.1 नारी शक्ति वंदन अधिनियम-महिला नेतृत्व में शासन के नए युग का आरम्भ : **स्मृति ईरानी** 20

4.2 भारत में बौद्धिक सम्पदा-सशक्त प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार विकास : **क्रिस गोपालकृष्णन** 30

05 प्रतिक्रियाएँ 49

प्रधानमंत्री का सन्देश

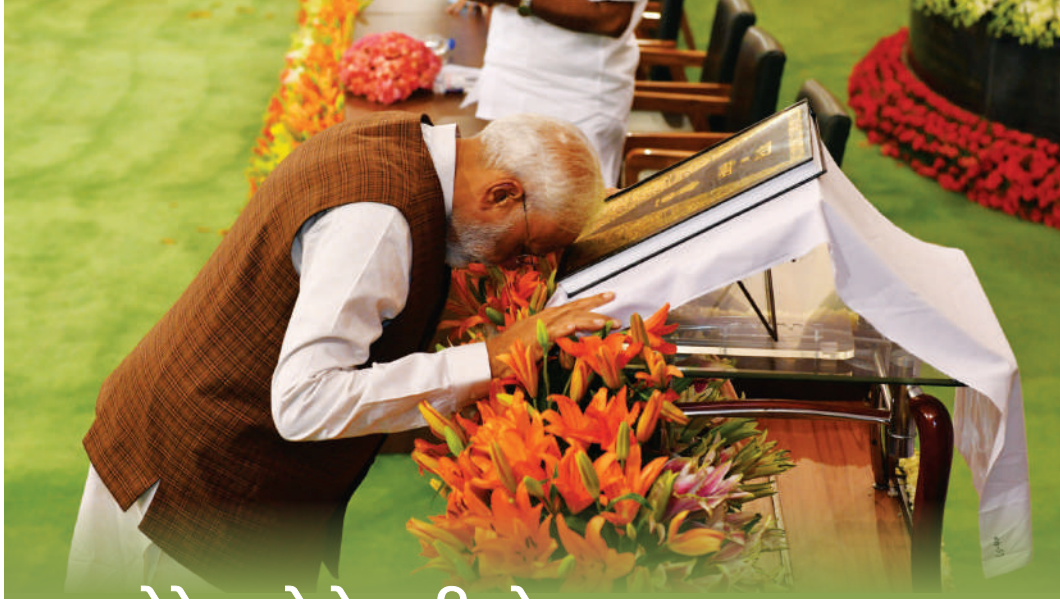

मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार

'मन की बात' में आपका स्वागत है, लेकिन **आज 26 नवम्बर हम कभी भी भूल नहीं सकते हैं। आज के ही दिन देश पर सबसे जघन्य आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने मुम्बई को, पूरे देश को, थर्रा कर रख दिया था, लेकिन ये भारत का सामर्थ्य है कि हम उस हमले से उबरे और अब पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं।** मुम्बई हमले में अपना जीवन गँवाने वाले सभी लोगों को मैं श्रद्धांजलि देता हूँ। इस हमले में हमारे जो जांबाज़ वीरगति को प्राप्त हुए, देश आज उन्हें याद कर रहा है।

मेरे परिवारजनो, 26 नवम्बर का आज का ये दिन एक और वजह से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। 1949 में आज ही के दिन संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार किया था। मुझे याद है, जब साल 2015 में हम बाबा साहेब आम्बेडकर की 125वीं जन्मजयंती मना रहे थे, उसी समय ये विचार आया था कि 26 नवम्बर को 'संविधान दिवस' के तौर पर मनाया जाए। अब तब से हर साल आज के इस दिन को हम संविधान दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। मैं सभी देशवासियों को संविधान दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ और हम सब मिल करके, नागरिकों के कर्तव्य को प्राथमिकता देते हुए, विकसित भारत के संकल्प को ज़रूर पूरा करेंगे।

साथियो, हम सभी जानते हैं कि संविधान के निर्माण में 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन का समय लगा था। **श्री सच्चिदानंद सिन्हा जी** संविधान सभा के सबसे बुज़ुर्ग सदस्य थे। 60 से ज़्यादा देशों के संविधान

सच्चिदानंद सिन्हा

का अध्ययन और लम्बी चर्चा के बाद हमारे संविधान का ड्राफ्ट तैयार हुआ था। ड्राफ्ट तैयार होने के बाद उसे अंतिम रूप देने से पहले उसमें 2 हज़ार से अधिक संशोधन फिर किए गए थे। **1950 में संविधान लागू होने के बाद भी अब तक कुल 106 बार संविधान संशोधन किया जा चुका है।** समय, परिस्थिति, देश की आवश्यकता को देखते हुए अलग-अलग सरकारों ने अलग-अलग समय पर संशोधन किए, लेकिन ये भी दुर्भाग्य रहा कि संविधान का पहला संशोधन, फ्रीडम ऑफ़ स्पीच और फ्रीडम ऑफ़ एक्सप्रेशन के अधिकारों में कटौती करने के लिए हुआ था। वहीं संविधान के 44वें संशोधन के माध्यम से, इमर्जेंसी के दौरान की गई गलतियों को सुधारा गया था।

साथियो, यह भी बहुत प्रेरक है कि संविधान सभा के कुछ सदस्य मनोनीत किए गए थे, जिनमें से 15 महिलाएँ थीं। ऐसी ही एक सदस्य **हंसा मेहता** जी ने महिलाओं के अधिकार और न्याय की आवाज़ बुलंद की थी। उस दौर में भारत उन कुछ देशों में था, जहाँ महिलाओं को संविधान से वोटिंग का अधिकार दिया। राष्ट्र निर्माण में जब सबका साथ होता है, तभी सबका विकास भी हो पाता है। **मुझे संतोष है कि संविधान निर्माताओं की उसी दूरदृष्टि का पालन करते हुए अब भारत की संसद ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पास किया है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' हमारे लोकतंत्र की संकल्प शक्ति का उदाहरण है। ये विकसित भारत के हमारे संकल्प को गति देने के लिए भी उतना ही सहायक होगा।**

मेरे परिवारजनो, राष्ट्र निर्माण की कमान जब जनता-जनार्दन सम्भाल लेती है, तो दुनिया की कोई भी ताक़त उस देश को आगे बढ़ने से नहीं रोक पाती। आज भारत में भी स्पष्ट दिख रहा है कि कई

हंसा मेहता

परिवर्तनों का नेतृत्व देश की 140 करोड़ जनता ही कर रही है। इसका एक प्रत्यक्ष उदाहरण हमने त्योहारों के इस समय में देखा है। पिछले महीने 'मन की बात' में मैंने 'वोकल फ़ॉर लोकल' यानी स्थानीय उत्पादों को खरीदने पर जोर दिया था। बीते कुछ दिनों के भीतर ही दीवाली, भैया दूज और छठ पर देश में चार लाख करोड़ से ज़्यादा का कारोबार हुआ है और इस दौरान भारत में बने उत्पादों को खरीदने का ज़बरदस्त उत्साह लोगों में देखा गया। अब तो घर के बच्चे भी दुकान पर कुछ खरीदते समय यह देखने लगे हैं कि उसमें मेड इन इंडिया लिखा है या नहीं लिखा है। इतना ही नहीं, ऑनलाइन सामान खरीदते समय अब लोग कंट्री ऑफ़ ओरिजन, इसे भी देखना नहीं भूलते हैं।

साथियो, जैसे 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता ही उसकी प्रेरणा बन रही है, वैसे ही वोकल फॉर लोकल की सफलता विकसित भारत - समृद्ध भारत के द्वार खोल रही है। वोकल फॉर लोकल का ये अभियान पूरे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। वोकल फॉर लोकल अभियान रोज़गार की गारंटी है। यह विकास की गारंटी है, ये देश के संतुलित विकास की गारंटी है। इससे शहरी और ग्रामीण, दोनों को समान अवसर मिलते हैं। इससे स्थानीय उत्पादों में वैल्यू एडिशन का भी मार्ग बनता है और अगर कभी वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव आता है, तो वोकल फॉर लोकल का मंत्र हमारी अर्थव्यवस्था को संरक्षित भी करता है।

साथियो, भारतीय उत्पादों के प्रति यह भावना केवल त्योहारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अभी शादियों का मौसम भी शुरू हो चुका है। कुछ व्यापार संगठनों का अनुमान है कि शादियों के इस सीज़न में करीब 5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हो सकता है। शादियों

से जुड़ी खरीदारी में भी आप सभी भारत में बने उत्पादों को ही महत्त्व दें। और हाँ, जब शादी की बात निकली है, तो एक बात मुझे लम्बे अरसे से कभी-कभी बहुत पीड़ा देती है और मेरे मन की पीड़ा, मैं मेरे परिवारजनों को नहीं कहूँगा तो किसको कहूँगा? आप सोचिए, इन दिनों ये जो कुछ परिवारों में विदेशों में जाकर के शादी करने का जो एक नया ही वातावरण बनता जा रहा है, क्या, ये ज़रूरी है क्या? **भारत की मिट्टी में, भारत के लोगों के बीच, अगर हम शादी-ब्याह मनाएँ, तो देश का पैसा देश में रहेगा। देश के लोगों को आपकी शादी में कुछ-न-कुछ सेवा करने का अवसर मिलेगा, छोटे-छोटे ग़रीब लोग भी अपने बच्चों को आपकी शादी की बातें बताएँगे। क्या आप वोकल फॉर लोकल के इस मिशन को विस्तार दे सकते हैं? क्यों न हम शादी-ब्याह ऐसे समारोह अपने ही देश में करें? हो सकता है, आपको चाहिए, वैसी व्यवस्था आज नहीं होगी, लेकिन अगर हम इस प्रकार के आयोजन करेंगे तो व्यवस्थाएँ भी विकसित होंगी।** ये बहुत बड़े परिवारों से जुड़ा हुआ विषय है। मैं आशा करता हूँ मेरी ये पीड़ा उन बड़े-बड़े परिवारों तक ज़रूर पहुँचेगी।

मेरे परिवारजनो, त्योहारों के इस मौसम में एक और बड़ा ट्रेंड देखने को मिला है। ये लगातार दूसरा साल है, जब दीपावली के अवसर में कैश देकर कुछ सामान खरीदने का प्रचलन धीरे-धीरे-धीरे कम होता जा रहा है, यानी अब लोग ज़्यादा-से-ज़्यादा डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं। ये भी बहुत उत्साह बढ़ाने वाला है। आप एक और काम कर सकते हैं। आप तय करिए कि एक महीने तक आप UPI से या किसी डिजिटल माध्यम से ही पेमेंट करेंगे, कैश पेमेंट नहीं करेंगे। भारत में डिजिटल क्रांति की सफलता ने इसे बिल्कुल सम्भव बना दिया है और जब एक महीना हो जाए, तो आप मुझे अपने अनुभव, अपनी फ़ोटो ज़रूर शेयर करिएगा। मैं अभी से आपको एडवांस में अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

मेरे परिवारजनो, हमारे युवा

साथियों ने देश को एक और बड़ी खुशखबरी दी है, जो हम सभी को गौरव से भर देने वाली है। **इंटेलिजेंस, आइडिया और इनोवेशन– आज भारतीय युवाओं की पहचान है। इसमें टेक्नोलॉजी के कॉम्बीनेशन से उनकी इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टीज में निरंतर बढ़ोतरी हो, ये अपने आप में देश के सामर्थ्य को बढ़ाने वाली महत्त्वपूर्ण प्रगति है। आपको ये जानकर अच्छा लगेगा कि 2022 में भारतीयों के पेटेंट आवेदन में 31 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ऑर्गेनाइज़ेशन ने एक बड़ी ही दिलचस्प रिपोर्ट जारी की है। ये रिपोर्ट बताती है कि पेटेंट फाइल करने में सबसे आगे रहने वाले टॉप-10 देशों में भी ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इस शानदार उपलब्धि के लिए मैं अपने युवा साथियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।** मैं अपने युवा मित्रों को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि देश हर कदम पर आपके साथ है। सरकार ने जो प्रशासनिक और कानूनी सुधार किए हैं, उसके बाद आज हमारे युवा एक नई ऊर्जा के साथ बड़े पैमाने पर इनोवेशन के काम में जुटे हैं। 10 वर्ष पहले के आँकड़ों से तुलना करें, तो आज हमारे पेटेंट को 10 गुना ज़्यादा मंजूरी मिल रही है। हम सभी जानते हैं कि पेटेंट से ना सिर्फ देश की इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी बढ़ती है, बल्कि इससे नए-नए अवसरों के भी द्वार खुलते हैं। इतना ही नहीं, ये हमारे स्टार्टअप्स की ताकत और क्षमता को भी बढ़ाते हैं। **आज हमारे स्कूली बच्चों में भी इनोवेशन की भावना को बढ़ावा मिल रहा है। अटल टिंकरिंग लेब, अटल इनोवेशन मिशन, कॉलेजों में इंक्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप्स इंडिया अभियान, ऐसे निरंतर प्रयासों के नतीजे देशवासियों के सामने**

उत्सवों का महापर्व

भारत की भाषाई और लोक विरासत के प्रति सम्मान

हैं। ये भी भारत की युवाशक्ति, भारत की इनोवेशन पॉवर का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसी जोश के साथ आगे चलते हुए ही हम विकसित भारत के संकल्प को भी प्राप्त करके दिखाएँगे और इसीलिए मैं बार-बार कहता हूँ 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान'।

मेरे प्यारे देशवासियो, आपको याद होगा कि कुछ समय पहले 'मन की बात' में मैंने भारत में बड़ी संख्या में लगने वाले मेलों की चर्चा की थी। तब एक ऐसी प्रतियोगिता का भी विचार आया था, जिसमें लोग मेलों से जुड़ी फोटो साझा करें। संस्कृति मंत्रालय ने इसी को लेकर मेला मोमेट कन्टेस्ट का आयोजन किया था। आपको ये जानकार अच्छा लगेगा कि इसमें हज़ारों लोगों ने हिस्सा लिया और बहुत लोगों ने पुरस्कार भी जीते। कोलकाता के रहने वाले राजेश धर जी ने 'चरक मेला' में गुब्बारे और खिलौने बेचने वाले की अद्भुत फोटो के लिए पुरस्कार जीता। ये मेला ग्रामीण बंगाल में काफ़ी लोकप्रिय है। वाराणसी की होली को शोकेस करने के लिए अनुपम सिंह जी को मेला पोट्रेट का पुरस्कार मिला। अरुण कुमार नलिमेला जी, 'कुलसाई दशहरा' से जुड़े एक आकर्षक पहलू को दिखाने के लिए पुरस्कृत किए गए। वैसे ही पंढरपुर की भक्ति को दिखाने वाली फ़ोटो सबसे ज़्यादा पसंद की गई फोटो में शामिल रही, जिसे महाराष्ट्र के ही एक सज्जन श्रीमान राहुल जी ने भेजा था। इस प्रतियोगिता में बहुत सारी तस्वीरें, मेलों के दौरान मिलने वाले स्थानीय व्यंजनों की भी थीं। इसमें पुरलिया के रहने वाले आलोक अविनाश जी की तस्वीर ने पुरस्कार जीता। उन्होंने एक मेले के दौरान बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र के खान-पान को दिखाया था। प्रनब बसाक जी की वो तस्वीर भी पुरस्कृत हुई, जिसमें भगोरिया महोत्सव के दौरान महिलाएँ कुल्फी का आनंद ले रही हैं। रूमेला जी ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक गाँव के मेले में भजिया का स्वाद लेती महिलाओं की फोटो भेजी थी, इसे भी पुरस्कृत किया गया।

साथियो, 'मन की बात' के माध्यम से आज हर गाँव, हर स्कूल, हर पंचायत को ये आग्रह है कि निरंतर इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन करें। आजकल तो सोशल मीडिया की इतनी ताकत है, टेक्नोलॉजी और मोबाइल घर-घर पहुँचे हुए हैं। आपके लोकल पर्व हों या प्रोडक्ट, उन्हें आप ऐसा करके भी ग्लोबल बना सकते हैं।

साथियो, गाँव-गाँव में लगने वाले मेलों की तरह ही हमारे यहाँ विभिन्न नृत्यों की भी अपनी ही विरासत है। झारखंड, ओडिशा और बंगाल के जन-जातीय इलाकों में एक बहुत प्रसिद्ध नृत्य है, जिसे 'छऊ' के नाम से बुलाते हैं। 15 से 17 नवम्बर तक एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ श्रीनगर में 'छऊ' पर्व का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सबने 'छऊ' नृत्य का आनंद उठाया। श्रीनगर के नौजवानों को 'छऊ' नृत्य की ट्रेनिंग देने के लिए एक वर्कशॉप का भी आयोजन हुआ। **इसी प्रकार, कुछ सप्ताह पहले ही कठुआ जिले में 'बसोहली उत्सव' आयोजित किया गया।** ये जगह जम्मू से 150 किलोमीटर दूर है। इस उत्सव में स्थानीय कला, लोक नृत्य और पारम्परिक रामलीला का आयोजन हुआ।

साथियो, भारतीय संस्कृति की सुन्दरता को सऊदी अरब में भी महसूस किया गया। इसी महीने सऊदी अरब में 'संस्कृत उत्सव' नाम का एक आयोजन हुआ। यह अपने आप में बहुत अनूठा था, क्योंकि ये पूरा कार्यक्रम ही संस्कृत में था। संवाद, संगीत, नृत्य, सब कुछ संस्कृत में, इसमें वहाँ के स्थानीय लोगों की भागीदारी भी देखी गई।

मेरे परिवारजनो, 'स्वच्छ भारत' अब तो पूरे देश का प्रिय विषय बन गया है। मेरा तो प्रिय विषय है ही है और जैसे ही मुझे इससे जुड़ी कोई ख़बर मिलती है, मेरा मन उस तरफ चला ही जाता है और स्वाभाविक है, फिर तो उसको 'मन की बात' में जगह मिल ही जाती है। **स्वच्छ भारत अभियान ने साफ़-सफ़ाई और सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर लोगों की सोच बदल दी है। ये पहल आज राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बन चुकी है, जिसने**

स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रीय भावना का प्रतीक

करोड़ों देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाया है। इस अभियान ने अलग-अलग क्षेत्र के लोगों, विशेषकर युवाओं को सामूहिक भागीदारी के लिए भी प्रेरित किया है। ऐसा ही **एक सराहनीय प्रयास सूरत में देखने को मिला है। युवाओं की एक टीम ने यहाँ 'प्रोजेक्ट सूरत', इसकी शुरुआत की है। इसका लक्ष्य सूरत को एक ऐसा मॉडल शहर बनाना है, जो सफ़ाई और सस्टेनेबल डेवलेपमेंट की बेहतरीन मिसाल बने।** 'सफ़ाई संडे' के नाम से शुरू हुए इस प्रयास के तहत सूरत के युवा पहले सार्वजनिक जगहों और डुमास बीच की सफ़ाई करते थे। बाद में ये लोग तापी नदी के किनारों की सफ़ाई में भी जी-जान से जुट गए और आपको जान करके ख़ुशी होगी, देखते-ही-देखते इससे जुड़े लोगों की संख्या, 50 हज़ार से ज़्यादा हो गई है। लोगों से मिले समर्थन से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा, जिसके बाद उन्होंने कचरा इकट्ठा करने का काम भी शुरू किया। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस टीम ने लाखों किलो कचरा हटाया है। ज़मीनी स्तर पर किए गए ऐसे प्रयास बहुत बड़े बदलाव लाने वाले होते हैं।

साथियो, गुजरात से ही एक और जानकारी आई है। कुछ सप्ताह पहले वहाँ अम्बाजी में 'भादरवी पूनम मेले' का आयोजन किया गया था। इस मेले में 50 लाख से ज़्यादा लोग आए। ये मेला प्रतिवर्ष होता है। इसकी सबसे ख़ास बात ये रही कि मेले में आए लोगों ने गब्बर हिल के एक बड़े हिस्से में सफ़ाई अभियान चलाया। मन्दिरों के आस-

पास के पूरे क्षेत्र को स्वच्छ रखने का ये अभियान बहुत प्रेरणादायी है।

साथियो, मैं हमेशा कहता हूँ कि स्वच्छता कोई एक दिन या एक सप्ताह का अभियान नहीं है, बल्कि ये तो जीवन में उतारने वाला काम है। हम अपने आस-पास ऐसे लोग देखते भी हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन स्वच्छता से जुड़े विषयों पर ही लगा दिया। **तमिलनाडु के कोयम्बटूर में रहने वाले लोगानाथन जी भी बेमिसाल हैं। बचपन में गरीब बच्चों के फटे कपड़ों को देखकर वे अक्सर परेशान हो जाते थे। इसके बाद उन्होंने ऐसे बच्चों की मदद का प्रण लिया और अपनी कमाई का एक हिस्सा इन्हें दान देना शुरू कर दिया। जब पैसे की कमी पड़ी तो लोगानाथन जी ने टॉयलेट तक साफ़ किए ताकि ज़रूरतमंद बच्चों की मदद हो सके। वे पिछले 25 सालों से पूरी तरह समर्पित भाव से अपने इस काम में जुटे हैं और अब तक 1500 से अधिक बच्चों की मदद कर चुके हैं।** मैं एक बार फिर ऐसे प्रयासों की सराहना करता हूँ। देशभर में हो रहे इस तरह के अनेकों प्रयास ना सिर्फ हमें प्रेरणा देते हैं, बल्कि कुछ नया कर गुजरने की इच्छाशक्ति भी जगाते हैं।

मेरे परिवारजनो, 21वीं सदी की बहुत बड़ी चुनौतियों में से एक है–'जल सुरक्षा'। जल का संरक्षण करना, जीवन को बचाने से कम नहीं हैं। जब हम सामूहिकता की इस भावना से कोई काम करते हैं तो सफलता भी मिलती है। इसका एक उदाहरण देश के हर जिले में बन रहे 'अमृत सरोवर' भी हैं। 'अमृत महोत्सव' के दौरान भारत ने जो 65 हज़ार से ज़्यादा 'अमृत सरोवर' बनाए हैं, वो आने वाली पीढ़ियों को लाभ देंगे। अब हमारा ये भी दायित्व है कि जहाँ-जहाँ 'अमृत सरोवर' बने हैं, उनकी निरंतर देखभाल हो, वो जल संरक्षण के प्रमुख स्रोत बने रहें।

साथियो, जल संरक्षण की ऐसी ही

चर्चाओं के बीच मुझे गुजरात के अमरेली में हुए 'जल उत्सव' का भी पता चला। गुजरात में बारहमास बहने वाली नदियों का भी अभाव है, इसलिए लोगों को ज़्यादातर बारिश के पानी पर ही निर्भर रहना पड़ता है। पिछले 20-25 साल में सरकार और सामाजिक संगठनों के प्रयास के बाद वहाँ की स्थिति में बदलाव ज़रूर आया है और इसलिए वहाँ 'जल उत्सव' की बड़ी भूमिका है। **अमरेली में हुए 'जल उत्सव' के दौरान 'जल संरक्षण' और झीलों के संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई गई। इसमें वॉटर स्पोर्ट को भी बढ़ावा दिया गया, वॉटर सिक्यूरिटी के जानकारों के साथ मंथन भी किया गया। कार्यक्रम में शामिल लोगों को तिरंगे वाला वॉटर फाउंटेन बहुत पसंद आया।** इस जल उत्सव का आयोजन सूरत के डायमंड बिज़नेस में नाम कमाने वाले सावजी भाई ढोलकिया के फाउंडेशन ने किया। मैं इसमें शामिल प्रत्येक व्यक्ति को बधाई देता हूँ, जल संरक्षण के लिए ऐसे ही काम करने की शुभकामनाएँ देता हूँ।

मेरे परिवारजनो, आज दुनिया भर में स्किल डेवलपमेंट के महत्त्व को स्वीकार्यता मिल रही है। जब हम किसी को कोई स्किल सिखाते हैं, तो उसे सिर्फ हुनर ही नहीं देते, बल्कि उसे आय का एक जरिया भी देते हैं और जब मुझे पता चला एक संस्था पिछले चार दशक से स्किल डेवलेपमेंट के काम में जुटी है, तो मुझे और भी अच्छा लगा। ये संस्था, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में है और इसका नाम 'बेज्जीपुरम यूथ क्लब' है। **स्किल डेवलेपमेंट पर फोकस कर 'बेज्जीपुरम यूथ क्लब' ने करीब 7000 महिलाओं को सशक्त बनाया है। इनमें से अधिकांश महिलाएँ आज अपने दम पर अपना कुछ काम कर रही हैं। इस संस्था ने बाल मज़दूरी करने वाले बच्चों को भी कोई ना कोई हुनर सिखाकर उन्हें उस दुष्चक्र से बाहर निकालने में मदद की है।** 'बेज्जीपुरम यूथ क्लब' की टीम ने किसान उत्पाद संघ यानी FPOs से जुड़े किसानों को भी नई स्किल सिखाई, जिससे बड़ी संख्या में किसान सशक्त हुए हैं। स्वच्छता को लेकर भी ये यूथ क्लब

विशेषज्ञता से सशक्तीकरण
भारत की कौशल गाथा

उद्यमशीलता पहलों को बढ़ावा देती
'मन की बात'

गाँव–गाँव में जागरूकता फैला रहा है। इसने अनेक शौचालयों के निर्माण में भी मदद की है। मैं स्किल डेवलेपमेंट के लिए इस संस्था से जुड़े सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ, उनकी सराहना करता हूँ। आज देश के गाँव-गाँव में स्किल डेवलेपमेंट के लिए ऐसे ही सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

साथियो, जब किसी एक लक्ष्य के लिए सामूहिक प्रयास होता है तो सफलता की ऊँचाई भी और ज़्यादा हो जाती है। मैं आप सभी से लद्दाख का एक प्रेरक उदाहरण साझा करना चाहता हूँ। आपने पश्मीना शाल के बारे में तो ज़रूर सुना होगा। पिछले कुछ समय से लद्दाखी पश्मीना की भी बहुत चर्चा हो रही है। लद्दाखी पश्मीना लूम्स ऑफ़ लद्दाख के नाम से दुनियाभर के बाज़ारों में पहुँच रहा है। आप ये जानकर हैरान रह जाएँगे कि इसे तैयार करने में 15 गाँवों की 450 से अधिक महिलाएँ शामिल हैं। पहले वे अपने उत्पाद वहाँ आने वाले पर्यटकों को ही बेचती थीं, लेकिन अब डिजिटल भारत के इस दौर में उनकी बनाई चीजें, देश-दुनिया के अलग-अलग बाज़ारों में पहुँचने लगी हैं, यानी हमारा लोकल अब ग्लोबल हो रहा है और इससे इन महिलाओं की कमाई भी बढ़ी है।

साथियो, नारी-शक्ति की ऐसी सफलताएँ देश के कोने-कोने में मौजूद हैं। ज़रूरत ऐसी बातों को ज़्यादा-से-ज़्यादा सामने लाने की है और ये बताने के लिए 'मन की बात' से बेहतर और क्या होगा ? तो आप भी ऐसे उदाहरणों को

मेरे साथ ज़्यादा-से-ज़्यादा शेयर करें। मैं भी पूरा प्रयास करूँगा कि उन्हें आपके बीच ला सकूँ।

मेरे परिवारजनो, 'मन की बात' में हम ऐसे सामूहिक प्रयासों की चर्चा करते रहे हैं, जिनसे समाज में बड़े-बड़े बदलाव आए हैं। **'मन की बात' की एक और उपलब्धि ये भी है कि इसने घर-घर में रेडियो को और अधिक लोकप्रिय बना दिया है। MyGov पर मुझे उत्तर प्रदेश में अमरोहा के राम सिंह बौद्ध जी का एक पत्र मिला है। राम सिंह जी पिछले कई दशकों से रेडियो संग्रह करने के काम में जुटे हैं। उनका कहना है कि 'मन की बात' के बाद से उनके रेडियो म्यूज़ियम के प्रति लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई है। ऐसे ही 'मन की बात' से प्रेरित होकर अहमदाबाद के पास तीर्थधाम प्रेरणा तीर्थ ने एक दिलचस्प प्रदर्शनी लगाई है। इसमें देश-विदेश के 100 से ज़्यादा एंटीक रेडियो रखे गए हैं। यहाँ 'मन की बात' के अब तक के सारे एपीसोड्स को सुना जा सकता है। कई और उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि कैसे लोगों ने 'मन की बात' से प्रेरित होकर अपना खुद का काम शुरू किया। ऐसा ही एक उदाहरण कर्नाटक के चामराजनगर की वर्षा जी का है, जिन्हें 'मन की बात' ने अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रेरित किया।** इस कार्यक्रम के एक एपिसोड से प्रेरित होकर उन्होंने केले से जैविक खाद बनाने का काम शुरू किया। प्रकृति से बहुत लगाव रखने वाली वर्षा जी की ये पहल, दूसरे लोगों के लिए भी रोज़गार के मौके लेकर आई है।

मेरे परिवारजनो, कल 27 नवम्बर को कार्तिक पूर्णिमा का पर्व है। इसी दिन **'देव दीपावली'** भी मनाई जाती है और मेरा तो मन रहता है कि मैं काशी की 'देव दीपावली' ज़रूर देखूँ। इस बार मैं काशी तो नहीं जा पा रहा हूँ, लेकिन 'मन की बात' के माध्यम से बनारस के लोगों को अपनी शुभकामनाएँ ज़रूर भेज रहा हूँ। इस बार भी काशी के घाटों पर लाखों दीये जलाए जाएँगे, भव्य आरती होगी, लेज़र शो होगा, लाखों की संख्या में देश-विदेश से आए लोग 'देव दीपावली' का आनंद लेंगे।

साथियो, कल, पूर्णिमा के दिन ही **गुरु नानक देव जी का** भी **प्रकाश पर्व** है। **गुरु नानक जी के अनमोल सन्देश भारत ही नहीं, दुनिया भर के लिए आज भी प्रेरक और प्रासंगिक हैं। ये हमें सादगी, सद्भाव और दूसरों के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित करते हैं।** गुरु नानक देव जी ने सेवा भावना, सेवा कार्यों की जो सीख दी, उसका पालन, हमारे सिख भाई-बहन, पूरे विश्व में करते नज़र आते हैं। मैं 'मन की बात' के सभी श्रोताओं को गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देता हूँ।

मेरे परिवारजनो, 'मन की बात' में इस बार मेरे साथ इतना ही। देखते-ही-देखते 2023 समाप्ति की तरफ बढ़ रहा है और हर बार की तरह हम-आप ये भी सोच रहे हैं कि अरे...इतनी जल्दी ये साल बीत गया, लेकिन ये भी सच है कि ये साल भारत के लिए असीम उपलब्धियों वाला साल रहा है और भारत की उपलब्धियाँ, हर भारतीय की उपलब्धि हैं। मुझे ख़ुशी है कि 'मन की बात', भारतीयों की ऐसे उपलब्धियों को सामने लाने का एक सशक्त माध्यम बना है। अगली बार देशवासियों की ढेर सारी सफलताओं पर फिर आपसे बात होगी। तब तक के लिए मुझे विदा दीजिए।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

नमस्कार।

'मन की बात' सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें।

मन की बात

प्रधानमंत्री द्वारा विशेष उल्लेख

“नारी शक्ति वंदन अधिनियम, संकल्प शक्ति का एक उदाहरण है। यह विकसित भारत का हमारा संकल्प पूरा करने को गति देगा।”

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(‘मन की बात’ सम्बोधन में)

“नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक क्रांति है, जो हमारे राजनीतिक परिदृश्य का ताना-बाना फिर से परिभाषित करते हुए एक ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी, जहाँ सशक्त महिलाएँ राष्ट्र को प्रगति की ओर ले जाएँगी।”

-स्मृति ईरानी
केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

प्रगति की अनुगूँज

भारतीय नारी सबसे आगे

समाज की प्रगति की रीढ़ रही हमारी महिलाओं का भारत की नियति को आकार देने में अनूठा प्रभाव रहा है। महिलाओं को सशक्त करना केवल लैंगिक समानता हासिल करना नहीं, उससे आगे की बात है; यह समूचे राष्ट्र की प्रगति की एक प्रेरक शक्ति है। भारत का गतिशील विकास अपनी महिला आबादी की पूरी क्षमता का उपयोग करने पर टिका है। कम्पनियों के बोर्ड रूम से लेकर ग्रामीण परिदृश्य तक महिलाएँ नवाचार की प्रेरक हैं, आर्थिक समृद्धि को गति दे रही हैं और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देती हैं। इनका सशक्तीकरण केवल नैतिक दायित्व नहीं अपितु आर्थिक आवश्यकता भी है, जिससे कार्यबल में विविधता बढ़ती है, रचनात्मकता को गति मिलती है और एक सन्तुलित सामाजिक ताना-बाना सुनिश्चित होता है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023, देश में महिलाओं की शक्ति और क्षमता को मान्यता देने, उसका सम्मान करने की दिशा में एक विधायी क़दम है। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के अमूल्य योगदान को पहचानने की दृष्टि से बनाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम उन महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करने और याद करने का एक मंच है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की, मार्ग में आने वाली बाधाएँ तोड़ीं और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनीं। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित होंगी। भारतीय लोकतंत्र में यह एक महत्त्वपूर्ण मोड़ है। इसका मूल उद्देश्य, समाज में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा और उनकी उपलब्धियों को मान्यता देकर, समाज में उनकी स्थिति बेहतर और स्तर ऊपर उठाना है। यह लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ हर क्षेत्र में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का भी प्रयास है। यही नहीं, नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने का भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो समाज के हर क्षेत्र में लैंगिक समानता और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक परिवर्तनकारी परिप्रेक्ष्य को साकार करता है।

भारत सरकार 2014 से महिला-केंद्रित अधिनियम और विधि सम्बंधी सुधारों से देश में ‘नारी शक्ति’ को बढ़ावा देने और भारतीय महिलाओं की स्थिति मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2017 के मातृत्व लाभ अधिनियम संशोधन के तहत प्रसव से पहले और बाद के अवकाश में लचीलापन लाकर, सवेतन मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया। यही नहीं, इसके तहत दत्तक संतान और किराए की कोख से संतान प्राप्त करने वाली माताओं को भी यह लाभ उपलब्ध होंगे। आपराधिक क़ानून संशोधन अधिनियम 2018 में संशोधन करके बलात्कारी के लिए न्यूनतम दंड सात साल से बढ़ाकर दस साल किया गया, इसके अलावा सोलह और बारह साल से कम उम्र की लड़कियों को निशाना बनाने वाले, विशेषकर सामूहिक बलात्कार के मामलों में अपराधियों को मृत्युदंड की सम्भावना सहित आजीवन कारावास और कड़े दंड का प्रावधान किया गया। इसके अलावा, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम में 2018 के संशोधनों से पहले तीन वर्ष के लिए

महिला कर्मचारियों का योगदान घटाकर 8 प्रतिशत करना, औपचारिक क्षेत्र में रोज़गार को प्रोत्साहित करना, लिंग-समावेशी कार्यशैली और माहौल बनाकर भेदभाव समाप्त करना, सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है। एक और जो क़दम सरकार ने उठाया, वो है 2019 मुस्लिम महिला (विवाह सम्बंधी अधिकार संरक्षण) अधिनियम, जिसके तहत 'तीन तलाक' निरस्त करके इस अपराध में तीन साल तक की क़ैद तथा निर्वाह भत्ता और बच्चे की कस्टडी के प्रावधान शामिल हैं। यह विवाहित मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और लैंगिक समानता सुनिश्चित करने में एक महत्त्वपूर्ण क़दम है। यही नहीं, पिछले नौ वर्ष के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में की गईं महत्त्वपूर्ण पहल दिखाती हैं कि सरकार उनका जीवन बेहतर करने को कितनी प्रतिबद्ध रही है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना, सुकन्या समृद्धि योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना जैसी योजनाएँ महिलाओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने को समर्पित हैं। इसके अतिरिक्त, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षिक सशक्तीकरण को बल मिलता है। यही नहीं, स्टैंड-अप इंडिया, पीएम मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और उद्यम शक्ति पोर्टल जैसी योजनाएँ महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने को सक्रिय हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता सुदृढ़ होती है। प्रगति की शानदार अनुगूँज में भारत अपनी महिला शक्ति और क्षमता के हाथों आकार दिए जाने वाले युग के कगार पर है। विधायी प्रगति, सामाजिक-आर्थिक पहल और सांस्कृतिक परिवर्तन मिलकर समावेशिता और सशक्तीकरण की नई इबारत लिख रहे हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल औपचारिक संकेत भर नहीं है; यह महिलाओं की भूमिका और क्षमताओं के बारे में सामाजिक धारणा में आए एक बड़े परिवर्तन का द्योतक है। यह इस विश्वास को दृढ़ करता है कि महिलाओं को सशक्त करना केवल नैतिक अनिवार्यता नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति के लिए आर्थिक और सामाजिक आवश्यकता भी है। हर एक सुधार और योजना के साथ, राष्ट्र एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर है, जहाँ महिलाएँ केवल नीतियों के लाभार्थियों के रूप में नहीं, अपितु परिवर्तन लाने वाली शक्ति के रूप में आगे आती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम
महिला नेतृत्व में शासन के नए युग का आरम्भ

स्मृति ईरानी
केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री

महिला-पुरुष समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 एक ऐतिहासिक क़दम है, जो भारत में परिवर्तन का प्रतीक है। यह अभूतपूर्व अधिनियम हमारे देश का वो ऐतिहासिक क्षण है, जो ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है, जिसमें महिलाएँ न केवल भागीदार हैं, बल्कि हमारे लोकतंत्र और नियति को आकार देने वाली प्रेरक शक्तियाँ हैं। संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सर्वसम्मति से पारित यह अधिनियम, अधिक समावेशी और न्यायोचित्त भविष्य का मंच तैयार करता है।

भारत में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का इतिहास सुखद नहीं रहा। 1993 में संविधान के 73वें और 74वें संशोधन ने स्थानीय स्तर के निकायों में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की थीं। इन संशोधनों के बाद, संविधान के अनुच्छेद 243-डी के तहत, प्रत्यक्ष निर्वाचन से भरी जाने वाली सीटों की कुल संख्या और पंचायत अध्यक्षों के कार्यालयों की संख्या में महिलाओं के लिए कम-से-कम एक तिहाई आरक्षण अनिवार्य करके पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई। आज 20 से अधिक राज्यों ने अपने सम्बंधित पंचायती राज अधिनियमों के तहत पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है।

हालाँकि स्वतंत्रता के 75 वर्ष के बाद भी भारत में लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी रही है। इसी ऐतिहासिक ग़लती को सुधारते हुए देश ने अब यह महत्त्वपूर्ण अधिनियम पारित होते देखा, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित रहेंगी। यह अधिनियम भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक मोड़ का साक्षी है। यह महिलाओं को सशक्त करने और निर्णय लेने में उनकी उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता दर्शाता है।

नए संसद भवन में पारित यह पहला विधायी एजेंडा, महिलाओं के केवल प्रतिनिधित्व भर से आगे का है। यह शासन की हमारी समझ में एक बड़े बदलाव के अलावा महिला नेतृत्व और जेंडर सम्बंधी संवेदनशील शासन का युग आरम्भ होने का प्रतीक है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक क्रांति है, जो हमारे राजनीतिक परिदृश्य का ताना-बाना फिर से परिभाषित करते हुए एक ऐसे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी, जहाँ सशक्त महिलाएँ राष्ट्र को प्रगति की ओर ले जाएँगी। एक दूरदर्शी दृष्टि के साथ लाए गए इस अधिनियम का उद्देश्य, विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व, स्वीकार्यता और सशक्तीकरण सुनिश्चित करके सामाजिक परिदृश्य बदलना है। निर्णय लेने वाले निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर हम न केवल उनका निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर रहे हैं, बल्कि हम एक ऐसी विशाल क्षमता का द्वार भी खोल रहे हैं, जिसका उपयोग नहीं हो सका है। राजनीतिक क्षेत्र में उनके समावेश से राष्ट्र को अपने सामने आने वाली चुनौतियों के लिए नए और विविध दृष्टिकोण के अलावा अभिनव समाधान भी मिलेगा।

ऐसे कार्यों से सरकार का एक प्रगतिशील और महिलाओं के प्रति उत्तरदायी लोकतंत्र को बढ़ावा देने का समर्पण भी स्पष्ट होता है। सरकार की व्यापक नीतियों और लक्षित पहलों ने, शिक्षा और आर्थिक अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'स्वच्छ भारत अभियान', 'पोषण अभियान', 'उज्ज्वला योजना', जैसी पहलों के माध्यम से सरकार ने महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने और उनकी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और राजनीतिक एवं आर्थिक अवसरों के माध्यम से आज भारत की महिलाओं में सशक्तीकरण की एक नई भावना का संचार हुआ है, जिससे राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि और विकास में योगदान मिल रहा है। अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने से महिलाएँ एक ऐसे भविष्य में क़दम रखेंगी, जहाँ न केवल वे सबके समान होंगी, बल्कि वे स्वयं नेतृत्व करेंगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू होते देखना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह क़ानून केवल महिला सशक्तीकरण के प्रति हमारी कटिबद्धता ही नहीं दर्शाता, यह एक अधिक समावेशी और प्रगतिशील भारत का मार्ग भी प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ हर महिला अपनी शक्ति पहचानेगी, उसका सम्मान होगा और उसे अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने का पूरा अवसर मिलेगा। हम सब मिलकर एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं, जहाँ नारी शक्ति केवल मुहावरा नहीं, एक जीवंत वास्तविकता है। आज जब हम एक नई सुबह की दहलीज़ पर हैं, मैं सभी महिलाओं से कहूँगी कि वे इस अवसर का लाभ उठाने अवश्य सामने आएँ। आइए, हम न केवल राजनीतिक प्रतिनिधियों के रूप में अपितु परिवर्तनकारियों के रूप में एक अधिक न्यायोचित और समानतापूर्ण समाज का निर्माण करें।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023

एक आदर्श बदलाव

- लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण।
- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के साथ भारत ने महिला सशक्तीकरण में एक महान कदम उठाया है।
- आरक्षित कोटे के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षण।
- यह अधिनियम लैंगिक समानता और समावेशिता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।
- यह कानून महिला नेतृत्व को बढ़ावा देता है और उच्च जोखिम वाले निर्णय लेने में महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

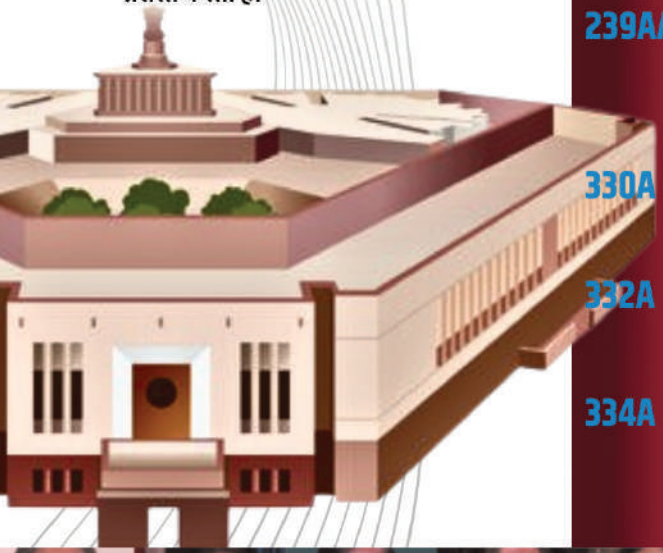

सत्यमेव जयते

संविधान (एक सौ अट्ठाइसवाँ संशोधन) अधिनियम, 2023

सम्मिलित/संशोधित धाराएँ

239AA राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाएँगी।

330A लोकसभा में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाएँगी।

332A प्रत्येक राज्य की विधानसभा में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाएँगी।

334A जनगणना के बाद आरक्षण लागू किया जाएगा और उसके आधार पर महिलाओं के लिए सीटों का आवंटन होगा, जो 15 वर्षों तक वैध होगा।

मुझे बहुत खुशी है कि यह विधेयक पेश किया गया। संसद में महिलाओं की बढ़ी संख्या से देश में नई ऊर्जा आएगी और देश की प्रगति होगी।

कविता कल्वाकुंथला, बीआरएस एमएलसी, तेलंगाना विधानसभा

जब आप देश की 50 प्रतिशत मानव शक्ति की क्षमता का सकारात्मक उपयोग करना चाहते हैं, तब संसद में 33 प्रतिशत महिलाओं की मौजूदगी एक बड़ा कदम होगा और इससे देश के विकास में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। महिलाओं की प्रगति से देश की प्रगति को आँका जा सकता है।

तानिया सचदेव, भारतीय पेशेवर शतरंज खिलाड़ी

महिलाएँ निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में राज्य के सदनों में पहुँचती हैं, देशहित में निर्णय लेती हैं, कानून लाती हैं, वहाँ चर्चाओं में योगदान देती हैं, अपने अनुभव साझा करती हैं और यही कानून की पूरी प्रक्रिया है। प्रक्रिया जो भी हो, उन्हें इसमें योगदान देना चाहिए।

अनुप्रिया पटेल, राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

मुझे पूरी उम्मीद है कि इससे अधिक महिलाएँ राजनीति में आएँगी और भविष्य में महिलाएँ हर पद सम्भालेंगी। मैं ऐसे भविष्य की आशा करती हूँ, जहाँ महिलाएँ संसद में समान भागीदार होंगी। इसलिए यह अधिनियम बहुत महत्त्वपूर्ण है और एक भारतीय के रूप में मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है।

नेहा राठी, भारतीय पेशेवर पहलवान

हम अधिक महिलाओं के आगे बढ़ने से महत्त्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद करते हैं; उनकी प्रगति को देखकर दूसरों को अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

अलका तोमर, भारतीय पेशेवर पहलवान

सशक्त नारी
समृद्ध भारत

उज्ज्वला योजना (एलपीजी कनेक्शन वाले परिवार)

- 9.6 करोड़ उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शन से महिलाओं को मिली धुआँ-मुक्त रसोई।
- वित्त वर्ष 2023-24 से 3 वर्षों में 75 लाख अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन जारी किए जाएँगे, जिससे पीएमयूवाई लाभार्थियों की कुल संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी।

सम्मान

- स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत 11.74 करोड़ शौचालय।
- 2.5 करोड़ से अधिक पीएमएवाई-ग्रामीण घरों में से 70 प्रतिशत में महिलाएँ एकमात्र/संयुक्त मालिक हैं।
- तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किया गया।

सुगम जीवन

- मातृत्व अवकाश 12 सप्ताह से 26 सप्ताह तक।
- जल जीवन मिशन के तहत 10 करोड़ से अधिक नए घरों को नल से जल मिला।
- पीएमएमवीवाई के तहत 3.11 करोड़ से अधिक गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं (PW&LM) को 14,103 करोड़ से अधिक की राशि वितरित की गई।
- हिंसा से प्रभावित महिलाओं को 24 घंटे आपातकालीन और गैर-आपातकालीन सलाह देने के लिए 1 अप्रैल, 2015 को महिला हेल्पलाइन 181 शुरू की गई।

उद्यमशीलता

- 28 करोड़ से अधिक महिला जनधन खाते खोले गए।
- 'स्टैंड अप इंडिया' के तहत 79 प्रतिशत महिला उद्यमी।
- पीएम मुद्रा योजना के तहत 69 प्रतिशत से अधिक खाताधारक महिला उद्यमी हैं।
- 47 प्रतिशत स्टार्टअप्स में कम-से-कम 1 महिला निदेशक।

वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइनों का सार्वभौमिकरण

सखी केंद्रों का उद्देश्य हिंसा (घरेलू हिंसा सहित) से प्रभावित महिलाओं को एक ही छत के नीचे पुलिस सुविधा, चिकित्सा सहायता, कानूनी सहायता और कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक-सामाजिक परामर्श, अस्थायी आश्रय आदि प्रदान करना है।

स्वाधार गृह योजना

कठिन परिस्थितियों की शिकार महिलाओं को पुनर्वास के लिए संस्थागत समर्थन की आवश्यकता है ताकि वे सम्मान के साथ अपना जीवन जी सकें।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

यह सुनिश्चित करने के लिए कि लड़कियों का जन्म, पालन-पोषण और शिक्षा बिना किसी भेदभाव के हो ताकि वे क्षमता निर्माण कार्यक्रम और प्रशिक्षण सहित इस देश के सशक्त नागरिक बन सकें।

महिला शक्ति केंद्र

महिलाओं के लिए बनाई गई योजनाओं और कार्यक्रमों के अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण की सुविधा प्रदान करके सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना।

युवा शक्ति

भारत के नवाचार और कौशल की ताकत

“इंटेलिजेंस, आइडिया और इनोवेशन आज भारतीय युवाओं की पहचान है। आपको यह जानकर अच्छा लगेगा कि 2022 में भारतीयों के पेटेंट आवेदनों में 31 प्रतिशत से ज़्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी ऑर्गेनाईज़ेशन ने एक बड़ी ही दिलचस्प रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट बताती है कि पेटेंट फाइल करने में सबसे आगे रहने वाले टॉप 10 देशों में भी ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।”

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(‘मन की बात’ सम्बोधन में)

“2022 में लगभग 56,000 निवासी पेटेंट आवेदनों के साथ, भारत की संख्या अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ी। इसके अलावा हमारे देश ने 4,65,000 से अधिक ट्रेडमार्क आवेदन दायर किए हैं, जिससे हमारे देश में सक्रिय ट्रेडमार्क पंजीकरण की कुल संख्या 2.9 मिलियन हो गई है।”

-क्रिस गोपालकृष्णन
अध्यक्ष, बी20 इंडिया टास्क फोर्स
(प्रौद्योगिकी, नवाचार और R&D)

बौद्धिक सम्पदा दुनिया में सम्पत्ति के सबसे बेशकीमती रूपों में से एक है। यह बुद्धि और रचनात्मकता को पुरस्कृत करने के समाज के अभियान और इस रचनात्मकता से उत्पन्न होने वाले लाभों की अभिव्यक्ति है। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद से बहुत लम्बे समय तक, आविष्कारों के लिए पेटेंट दाखिल करने में पश्चिमी देशों का वर्चस्व था। हालाँकि, जैसे-जैसे अन्य देश आगे आने लगे, यह उच्च जीवन स्तर और इन देशों से आगामी उद्यमों और पेटेंट फाइलिंग में वृद्धि में परिलक्षित हुआ। इसका सबसे नया उदाहरण भारत है। विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित नवम्बर, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने केवल 2022 में दायर पेटेंट की संख्या में 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट में कहा गया है, ‘यह वृद्धि फाइल करने वाले शीर्ष 10 में से किसी भी अन्य देश की 11 साल की वृद्धि की तुलना में बेजोड़ है।’

पेटेंट आवेदनों में इस निरंतर उछाल को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने 107वें ‘मन की बात’ सम्बोधन में इसके बारे में बात की। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकार के सहयोग का आश्वासन देते हुए युवाओं से और भी अधिक उद्यम शुरू करने का आग्रह किया। विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन रिपोर्ट के अनुरूप पेटेंट फाइलिंग में दशक भर की ‘बेजोड़ वृद्धि’ कोई संयोग नहीं है। सरकार ने युवाओं में नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए कई अग्रणी पहल की हैं। इसके प्रमुख मिशनों में से एक अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) है। यह 2016 में स्थापित नीति आयोग का एक प्रमुख मिशन है।

अटल इनोवेशन मिशन द्वारा हासिल किए गए विभिन्न मापदंडों में चौंका देने वाले आँकड़े खुद उपलब्धियों को बयान करते हैं। अटल इनोवेशन मिशन ने 2,900 से अधिक स्टार्टअप को सहयोग दिया है, जबकि 10,000 अटल टिंकरिंग लैब सामने आई हैं। इस मिशन के तत्वावधान में 40 से अधिक देसी और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियाँ सामने आई हैं।

प्रमुख प्रभाव यहीं समाप्त नहीं होते। सितम्बर, 2023 में भारत ने विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन द्वारा प्रकाशित रैंकिंग की सूची– द ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में 132 में से 40वें स्थान पर अपनी स्थिति बरकरार रखी। यह एक

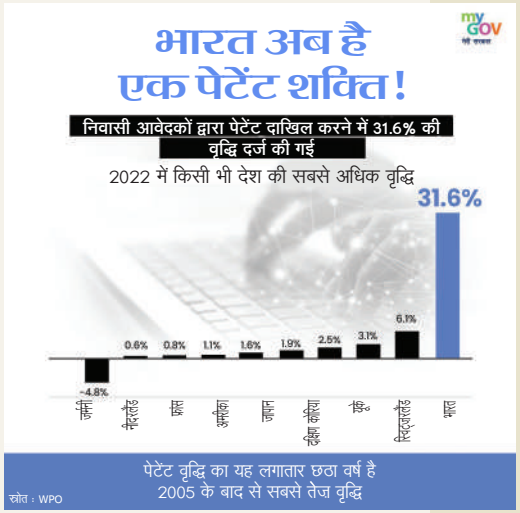

अभूतपूर्व सुधार है। 2015 में भारत इसी रैंकिंग पैमाने पर 81वें स्थान पर था।

पेटेंट की बाढ़ के माध्यम से प्रकट हुए भारत के नवाचारों के प्रतिमान का अन्य क्षेत्रों पर भी प्रभाव पड़ा है। सबसे बड़ा प्रभाव स्टार्टअप क्षेत्र पर पड़ा है। भारत संयुक्त राज्य अमरीका और चीन के बाद दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया हैं। उद्योग और आंतरिक व्यापार सम्वर्धन विभाग भारत के 763 जिलों से 1.12 लाख से अधिक स्टार्टअप को मान्यता देता है।

पिछले सात वर्षों (2015-2022) के आँकड़ों पर नज़र डालने से भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में प्रसार की सीमा का अंदाजा मिल जाएगा। भारत में कुल स्टार्टअप फंडिंग में 15 गुना वृद्धि हुई है, जबकि निवेशकों की कुल संख्या 9 गुना बढ़ी है। इन्क्यूबेशन सेंटर में भी 7 गुना वृद्धि हुई है।

वर्तमान में 56 विविध औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें से प्रत्येक में स्टार्टअप में वृद्धि देखी गई है। इनमें से 5 प्रतिशत स्टार्टअप कृषि क्षेत्र में तथा 5 प्रतिशत खाद्य एवं पेय पदार्थों में हैं; 7 प्रतिशत शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत हैं और 9 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवा तथा जीवन विज्ञान क्षेत्र में समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र के 13 प्रतिशत स्टार्टअप आईटी सेवा क्षेत्र से सम्बंधित हैं।

भारत के विस्फोटक नवाचार का एक और मापक स्टार्टअप व्यवस्था

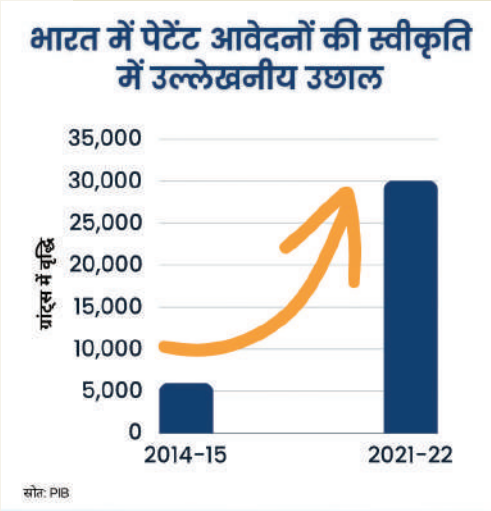

के भीतर यूनिकॉर्न की संख्या है। आज भारत में लगभग 350 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन के साथ 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। भारतीय स्टार्टअप सभी क्षेत्रों में उभरे हैं।

सरकार न केवल हमारे देश की युवा शक्ति के मौद्रिक प्रयासों से संतुष्ट है, बल्कि यह भी मानती है कि युवाओं के पास सामाजिक समस्याओं के कई समाधान हैं और इस युवा शक्ति को संरचित पाठ्यक्रम के ज़रिए नेतृत्व की संस्कृति के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। कुशल अग्रणियों की एक पीढ़ी को शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री ने 'माई युवा भारत' प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किया। इसका उद्देश्य एक ऐसा ढाँचा तैयार करना है, जहाँ भारतीय युवा कार्यक्रमों, सलाहकारों के साथ स्थानीय मुद्दों पर अपनी समझ को परिपक्व करने के लिए काम कर सकें। यह उन्हें रचनात्मक समाधानों में योगदान करने और सभी प्रतिमानों में भारत के नवाचार तथा कौशल की शक्ति का सही मायने में उपयोग करने के लिए सशक्त बनाएगा।

भारत में बौद्धिक सम्पदा-सशक्त प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार विकास

क्रिस गोपालकृष्णन
अध्यक्ष, बी20 इंडिया टास्क फोर्स
(प्रौद्योगिकी, नवाचार और R&D)

हमारा देश एक विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित होने जा रहा है। इसके लिए अगले 5-10 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में हमारे अनुसंधान एवं विकास पर आने वाले खर्चों को 0.64 प्रतिशत से बढ़ाकर महत्त्वाकांक्षी 3 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। निजी क्षेत्र द्वारा कुल अनुसंधान एवं विकास व्यय के वर्तमान को 36.4 प्रतिशत से बढ़ाकर विकसित देशों द्वारा प्राप्त स्तर तक लाने में अनुसंधान एवं विकास व्यय को बढ़ाने की आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि हुई है और यह आंशिक रूप से भारत और अन्य देशों में फाइल किए जा रहे पेटेंट आवेदनों की बढ़ती संख्या के रूप में परिलक्षित होता है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने देश को पिछले वर्ष भारत में पेटेंट दाखिल करने की स्मार्ट वृद्धि के बारे में बताया, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में महत्त्वपूर्ण है। हमने ट्रेडमार्क, डिज़ाइन और कॉपीराइट फाइलिंग में भी समान वृद्धि दर्ज की है।

नवम्बर, 2023 में इस मुद्दे पर विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) की सार्वजनिक विज्ञप्ति के अनुसार, भारत ने निवासी आवेदकों द्वारा पेटेंट दाखिल करने में 30 प्रतिशत से अधिक की ऊँची छलाँग लगाई है, जो 2022 में किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक है। 2022 में लगभग 56,000 निवासी पेटेंट आवेदनों के साथ अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में इसकी संख्या बहुत तेज़ी से बढ़ी। इसके अलावा, हमारे देश में 4,65,000 से अधिक ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप हमारे देश में सक्रिय ट्रेडमार्क पंजीकरण की कुल संख्या 2.9 मिलियन हो गई है। डब्ल्यूआईपीओ द्वारा विचारित अवधि (2021-22) में हमारी डिज़ाइन फाइलिंग में भी 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रगति ने भारत को डब्ल्यूआईपीओ के नवीनतम वैश्विक नवाचार सूचकांक (2023) में 40वीं रैंक हासिल करने में मदद की है, जबकि 2015 में भारत 81वीं रैंक पर था।

सरकार के प्रयासों ने भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्बंधी इकोसिस्टम को सशक्त करते हुए निरंतर उसे उच्च विकास के युग की ओर अग्रसर किया है। अटल टिंकरिंग लैब, अटल इनोवेशन मिशन, कॉलेजों में इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना; भारतीय पेटेंट कार्यालय में अधिक परीक्षकों और नियंत्रकों को नियुक्त करना; भारत पेटेंट कार्यालय का आधुनिकीकरण; स्टार्टअप, एमएसएमई, महिला उद्यमियों और शैक्षणिक संस्थानों को समर्थन देने के लिए एक विशेष उपाय के साथ हमारे देश के पेटेंट कानून में संशोधन, उनमें से कुछ उदाहरण हैं।

नए आईपीआर के निर्माण और वित्तीय रिटर्न प्राप्त करने में तेज़ी लाने के लिए नियामक, कराधान और लाइसेंसिंग ढाँचे सहित उचित नीति ढाँचे के साथ अनुसंधान एवं विकास में सरकार और उद्योग के बीच साझेदारी समय की माँग है। उद्योग-अकादमिक साझेदारी इस दिशा में पहला कदम हो सकती है, जिसे आईपीआर साझाकरण, विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, सामान्य अनुसंधान परियोजनाओं, अनुसंधान सुविधाओं और संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के लिए ठोस सिद्धांतों को अपनाकर वर्तमान स्तर से बढ़ाया जा सकता है। शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों को 40-70 प्रतिशत व्यावहारिक अनुसंधान का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। इससे वे समाज और उद्योग से सम्बंधित परियोजनाओं पर काम कर सकेंगे। इस तरह के प्रयासों से मुद्रीकरण-योग्य आईपीआर का निर्माण होना सम्भव हो सकेगा।

अनुसंधान एवं विकास और सम्बंधित निवेश पर पर्याप्त लाभ प्राप्त करने और भविष्य के अनुसंधान में निवेश को लेकर अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने के लिए पेटेंट का मुद्रीकरण आवश्यक है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) उद्योग, कानून फर्मों, चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद से पिछले तीन वर्षों से आईपीआर मूल्यांकन और लाइसेंसिंग पर शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। ऐसे पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय आईपीआर नीति के एक भाग के रूप में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वित्तीय संस्थानों और उद्यम फर्मों से ऋण जुटाने के लिए पेटेंट का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है, बशर्ते हमारे पास पेटेंट मूल्यांकन के लिए एक मज़बूत संरचना हो और नए जोखिम लेने वाले उद्यमों के बीच ऐसे संस्थानों के प्रति विश्वास पैदा करने के लिए विश्वसनीय प्रणाली भी हो। विकसित दुनिया में वर्तमान प्रवृत्ति यह है कि अमूर्त सम्पत्ति कुल सम्पत्ति मूल्य का लगभग 75 प्रतिशत है। आईपीआर सुस्थापित अमूर्त सम्पत्ति या परिसम्पत्तियों में से एक है। पेटेंट को कॉलेटरल के रूप में उपयोग करने की सुविधा के लिए सिस्टम और रूपरेखा विकसित करने की दिशा में बैंकों, सरकार, उद्योगों, वकीलों और उद्योग निकायों के बीच घनिष्ठ सहयोग की उम्मीद की जाती है। सीआईआई पिछले कुछ वर्षों से इस दिशा में काम कर रहा है।

नई प्रौद्योगिकियों में इंजीनियरिंग सम्बंधी जटिलताओं, आपूर्ति श्रृंखला, नियामक ढाँचे, पेटेंट स्वामित्व और सम्भाले जाने वाले कई न्यायक्षेत्रों के संदर्भ में अपनी जटिलताएँ हैं। विचाराधीन मामला अर्धचालक प्रौद्योगिकियों का होगा। हमें प्रौद्योगिकी के प्रभावी हस्तांतरण हेतु आईपीआर के लाइसेंस के लिए एक मज़बूत संरचना के साथ-साथ ट्रेड सीक्रेट्स के बारे में जानकारी की आवश्यकता है।

इस दिशा में अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। सीआईआई उपर्युक्त समस्याओं के समाधान के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण अपना रहा है। भारतीय कम्पनियों के पेटेंट पोर्टफोलियो में वृद्धि होना देश में भविष्य के औद्योगिक विकास के लिए एक शुभ संकेत है।

भारत एक सांस्कृतिक गुलदस्ता

भारत एक सांस्कृतिक गुलदस्ता है, जिसमें परम्पराओं, भाषाओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों के अनेक रूपों में दर्शन होते हैं। विविधता से परिपूर्ण इसकी विरासत विभिन्न क्षेत्रों के रीति-रिवाज़ों का सामंजस्यपूर्ण सम्मिश्रण है, जो त्योहारों, संगीत, नृत्य और व्यंजनों का एक जीवंत स्वरूप बनाती है। यह सांस्कृतिक सम्मेलन विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देता है। इससे भारत का एक बेजोड़ ताना-बाना निर्मित होता है, जहाँ प्राचीन अनुष्ठान समकालीन प्रभावों के साथ सह-अस्तित्व में है। इनसे एक समृद्ध और सशक्त सांस्कृतिक परिदृश्य में योगदान मिलता है।

प्रधानमंत्री ने 107वीं 'मन की बात' में सांस्कृतिक त्योहारों के माध्यम से भारत की समृद्ध विरासत और दुनिया भर में इस सांस्कृतिक भावना को बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर गर्व से प्रकाश डाला। जम्मू-कश्मीर में आयोजित छऊ पर्व और बसोहली उत्सव तथा सऊदी अरब में आयोजित संस्कृत उत्सव इन जीवंत त्योहारों की शृंखला में शामिल थे। इन सभी जीवंत त्योहारों ने देश की विरासत को दुनिया के सामने रखा।

जम्मू - कश्मीर में सांस्कृतिक समृद्धि का जश्न

झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के आदिवासी क्षेत्रों में गहरी जड़ों वाले पारम्परिक छऊ नृत्य की विशिष्टता को चिह्नित करने के लिए 15 से 17 नवम्बर, 2023 तक जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में छऊ महोत्सव का आयोजन किया गया। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक रंगारंग समारोह में छऊ महोत्सव का उद्घाटन किया था। इसके बाद छऊ केंद्र, चंदनकियारी, बोकारो, झारखंड के सहयोग से संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली और राष्ट्रीय संगीत, नृत्य और नाटक अकादमी द्वारा छऊ नृत्य और लोक नृत्य पर सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ ज़िले के बसोहली शहर में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव बसोहली-उत्सव के बारे में चर्चा की। जम्मू-कश्मीर पर्यटन द्वारा 18 से 23 अक्तूबर, 2023 तक आयोजित यह उत्सव क्षेत्र की कला, संस्कृति और परम्परा का उत्सव था। विरासत और रचनात्मकता का मिश्रण करते हुए इस सांस्कृतिक कार्निवल ने आगंतुकों को लाइव बसोहली शॉल बुनाई, बसोहली पेंटिंग, विरासत प्रदर्शनी, व्यंजन, पारम्परिक नृत्य, रामलीला, स्थानीय भोजन, खेल आदि सहित कई गतिविधियों से जोड़ा।

संस्कृत उत्सव
भाषा के माध्यम से संस्कृतियों का मेल

संस्कृत भाषा देश के समृद्ध इतिहास का प्रमाण है। सऊदी अरब में 'संस्कृत उत्सव' के आयोजन के साथ यह भावना देश की सीमाओं के पार भी गूँज उठी। यह आयोजन इस प्राचीन भाषा, जो भारतीय संस्कृति के दर्पण के रूप में भी काम करती है, को संरक्षित करने के लिए समर्पित था। कार्यक्रम के हर पहलू जैसे संवाद, संगीत और नृत्य को शास्त्रीय रूप में प्रस्तुत किया गया था। यह पहल न केवल भारत की भाषायी और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करती है, बल्कि अंतर-सांस्कृतिक समझ और सराहना को भी बढ़ावा देती है। पूरी तरह से संस्कृत में किसी कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की भागीदारी से सांस्कृतिक आदान-प्रदान का पोषण होता है और यह भारत की विरासत की सार्वभौमिक अपील पर ज़ोर देती है। यह एक ऐसा मंच बन जाता है, जहाँ विविध समुदाय भारत की कलात्मक और भाषायी परम्पराओं का अनुभव करने और जश्न मनाने के लिए एक साथ आते हैं। इस आयोजन ने जहाँ एक ओर संस्कृतियों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य किया, वहीं दूसरी ओर भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए संस्कृत की सुंदरता और गहराई के लिए साझा सराहना को बढ़ावा दिया।

"सऊदी अरब में हमारा एक विशाल भारतीय समुदाय है और भारतीय दूतावास हमारी परम्पराओं और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए लगातार उनके साथ सहयोग करता है। सहयोगी गतिविधियों में से एक संस्कृत भाषा का प्रचार है। हमारे पास संस्कृत भाषा के प्रति उत्साही लोगों का एक समूह है, जो संस्कृत भारती के सहयोग से अन्य समुदाय के सदस्यों के बीच भाषा के शिक्षण को बढ़ावा देता है। इन प्रयासों को मान्यता देने के लिए हमने 5 नवम्बर, 2023 को हमारे प्रवासी परिचय के हिस्से के रूप में पूरी तरह से संस्कृत में एक कार्यक्रम, संस्कृत उत्सव का आयोजन किया। अभिनय गीतम, गण गीतम् और सुभाषिता नाटकम् जैसे विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। हमने समुदाय के उन सदस्यों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने विभिन्न संस्कृत शिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। यह अन्य समुदाय के सदस्यों को संस्कृत के महत्त्व को याद दिलाने और विदेशी भूमि में हमारी परम्पराओं और संस्कृति को जीवित रखने का हमारा तरीका है। हम बहुत सौभाग्यशाली हैं कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में हमारे कार्यक्रम का उल्लेख किया। समुदाय इस भाव से बेहद रोमांचित है और हम भाषा को जीवित और समृद्ध बनाए रखने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना कर रहे हैं, क्योंकि यह हमारी संस्कृति और सभ्यता का प्रतिनिधित्व करती है। मैं एक श्लोक के साथ समाप्त करूँगा- "भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गिरवाणभारती। तत्रापि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्", अर्थात् 'संस्कृत, भगवान की भाषा, सबसे सुन्दर भाषा है'।"

डॉ. सुहेल अज़ाज़ ख़ान
सऊदी अरब साम्राज्य में भारत के राजदूत

मेला मोमेंट्स कॉन्टेस्ट

भारत सरकार ने देश भर में मेलों को लोकप्रिय बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। उत्सव की भावना को बढ़ावा देने के लिए, संस्कृति मंत्रालय द्वारा **मेला मोमेंट्स प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया, जिससे लोगों को मेलों से सम्बंधित तस्वीरें जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विजेताओं को चार श्रेणियों- 'मेला वाइब्स', 'चटोरी गली', 'मेला फेसेस' और 'मेला स्टॉल्स' में हज़ारों लोगों की भागीदारी के बीच, उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों के लिए चुना गया। कुल मिलाकर, मेला मोमेंट्स प्रतियोगिता के पीछे की भावना सांस्कृतिक संरक्षण, सामुदायिक जुड़ाव और भारत को परिभाषित करने वाली विविध और सशक्त सांस्कृतिक विरासत के उत्सव को लेकर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्वच्छ भारत अभियान

भारत की सामूहिक भावना को मिला नया आकार

"स्वच्छ भारत केवल स्वच्छता तक ही सीमित नहीं है; बल्कि यह मानसिकता में बदलाव लाना भी है और साथ ही यह हमारी राष्ट्रीय भावना का भी प्रतीक है। एक सरकारी कार्यक्रम से कहीं अधिक, यह हमारे युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो स्वच्छ, स्वस्थ और एकजुट भारत के निर्माण में सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देता है।"

— प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
('मन की बात' सम्बोधन में)

'मन की बात' के 107वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत से लेकर अब तक की परिवर्तनकारी यात्रा को रेखांकित करते हुए इसके गहरे प्रभाव पर ज़ोर दिया। उन्होंने स्वच्छता अभियान की सफलता सुनिश्चित करने और इसे एक जन आन्दोलन बनाने में नागरिकों की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कुछ प्रेरक व्यक्तियों और संगठनों के बारे में भी बात की, जो स्वच्छ भारत अभियान से प्रेरित होकर स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए आगे आए हैं।

अभियानों से परे : स्वच्छ भारत अभियान के ज़रिए गरीबों का उत्थान

तमिलनाडु के कोयम्बटूर के रहने वाले लोगनाथन अरुमुगम ने अपने जीवन के 20 से अधिक वर्ष स्वच्छता के साथ-साथ वंचितों की सहायता के लिए समर्पित किए हैं। बेसहारा बच्चों की दुर्दशा देखकर उन्होंने अपनी कमाई का एक हिस्सा उनके कल्याण के लिए समर्पित करने का निर्णय लिया। वित्तीय बाधाओं के समय में ज़रूरतमंद बच्चों की सहायता हेतु धन जुटाने के लिए शौचालयों की सफ़ाई करने में संकोच नहीं किया। उनके ये नि:स्वार्थ प्रयास दशकों से चले आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 1,500 से अधिक बच्चों की सहायता की है। इस बारे में और अधिक जानने के लिए हमारी दूरदर्शन टीम ने लोगनाथन से बात की।

"मैं कोयम्बटूर का 59 वर्षीय दिहाड़ी मज़दूर हूँ और मैंने पिछले 22 साल गरीबी से जूझ रहे बच्चों और वंचित व्यक्तियों की सहायता के लिए समर्पित किए हैं। आर्थिक तंगी की वज़ह से केवल पाँचवीं कक्षा तक की पढ़ाई करने के कारण मैं अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए वेल्डिंग का काम और दिहाड़ी मज़दूरी करता हूँ। हालाँकि इन प्रयासों से होने वाली आय हमारी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन मुझे सच्ची खुशी दूसरों की मदद करने से मिलती है। मेरे निरंतर प्रयास समाजसेवा के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को सिद्ध करते हैं, जिनके लिए कुछ पैसा मुझे शौचालय की सफ़ाई से प्राप्त होता है। इतने वर्षों में मैंने विभिन्न जगहों से इस्तेमाल किए हुए कपड़े इकट्ठा करके, उन्हें वंचित बच्चों को दिया। इन्हीं सेवाओं के कारण विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों से मान्यता मिलने से मेरा समर्थन और समर्पण बढ़ा है। 'मन की बात' में मेरी सेवाओं की चर्चा करने के लिए मैं प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। यह मान्यता मेरे लिए काफी गहरा अर्थ रखती है। यह एक चिरस्मरणीय पहचान है और मैं इसे न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि, बल्कि कोयम्बटूर ज़िले के लोगों के लिए भी एक सम्मान के रूप में देखता हूँ। दुनिया के सामने मुझे स्वच्छता और सेवा के प्रति समर्पित व्यक्ति के तौर पर परिचित कराने के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। उनकी सराहना एक शक्तिशाली प्रोत्साहन का काम करती है, जो मेरे समुदाय की भलाई में योगदान जारी रखने के मेरे दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देती है।"

— लोगनाथन अरुमुगम
कोयम्बटूर, तमिलनाडु

प्रेरणा का प्रतीक

युवाओं की एक ऊर्जावान टीम द्वारा शुरू किया गया 'प्रोजेक्ट सूरत', सूरत को स्वच्छता और सतत विकास के लिए एक मॉडल शहर में बदल रहा है। 'सफाई संडे' के रूप में शुरुआत करते हुए टीम ने सार्वजनिक स्थानों और डुमास बीच की सफ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। समय के साथ-साथ तापी नदी के तटों की सफ़ाई के लिए उनका समर्पण बढ़ गया, जिससे उन्हें 50 हज़ार से अधिक उत्साही व्यक्तियों का समर्थन प्राप्त हुआ। लोगों के विश्वास से सशक्त होकर टीम ने कचरा संग्रहण का काम शुरू किया और लाखों किलो कचरे को सफलतापूर्वक साफ़ किया। प्रोजेक्ट सूरत के ये ज़मीनी-स्तर के प्रयास स्वच्छ और अधिक सस्टेनेबल पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय स्तर पर महत्त्वपूर्ण बदलाव की क्षमता का उदाहरण देते हैं।

इस पहल के बारे में अधिक जानने के लिए हमारी दूरदर्शन टीम ने प्रोजेक्ट सूरत के संस्थापक से बात की।

"'मन की बात' के दौरान प्रधानमंत्री ने सूरत में हमारे प्रयासों का सरल, लेकिन शक्तिशाली शब्दों में उल्लेख किया। तापी में चल रही सफ़ाई और संरक्षण पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जिसमें न केवल नगर निगम, बल्कि स्थानीय लोग भी शामिल थे। 2019 में डुमास बीच पर फुटबॉल खेलते समय मैंने काफ़ी मात्रा में कचरा देखा, जिससे इस यात्रा की सहज शुरुआत हुई। मैंने पहल करते हुए खुद ही सफ़ाई शुरू कर दी और बाद में दोस्तों को भी इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस छोटी-सी पहल ने अप्रत्याशित रूप से मीडिया का ध्यान आकर्षित किया। सात दोस्तों के साथ शुरू किए गए स्वच्छता के कार्य में 50,000 से अधिक लोग शामिल हुए। हमारी सफ़ाई परियोजना डुमास से आगे बढ़ी और तापी के सभी किनारों को कवर किया। हमने मशीन-आधारित प्रयासों के अतिरिक्त योगदान के साथ 2,50,000 किलोग्राम कचरा उठाया। सूरत के नागरिकों ने सक्रिय रूप से हमारे उद्देश्य का समर्थन किया। यह सब एक साधारण विचार से शुरू हुआ और एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन में बदल गया। यह एक महत्त्वपूर्ण अवसर है, जब हमारे प्रयासों को 100 करोड़ से अधिक लोगों के सामने सराहा गया है। प्रोजेक्ट सूरत के उल्लेख ने हमें उत्साहित कर दिया है। यह पिछले पाँच वर्षों की कड़ी मेहनत के साथ-साथ ईश्वरीय आशीर्वाद को दर्शाता है कि हमारा सन्देश पूरे देश तक पहुँचा। 'मन की बात' में हमारी यात्रा का उल्लेख अविश्वसनीय था, इससे यह प्रमाणित होता है कि सामूहिक प्रयास समाज में सकारात्मक प्रभाव लाते हैं।"

— आकाश बंसल, संस्थापक, प्रोजेक्ट सूरत

अम्बाजी वार्षिक मेला
संस्कार से ज़िम्मेदारी तक

'मन की बात' के 107वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने गुजरात के अम्बाजी में वार्षिक भादरवी पूनम मेले के बारे में भी बात की। इस मेले की चर्चा, जिसमें इस वर्ष 50 लाख से अधिक लोग उपस्थित थे, न केवल इसके सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व के लिए; बल्कि इसके उल्लेखनीय स्वच्छता अभियान के लिए की गई। उपस्थित लोगों ने गब्बर हिल के एक बड़े हिस्से की सफ़ाई में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा स्वच्छता के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ धार्मिक प्रथाओं के सामंजस्यपूर्ण अस्तित्व को प्रदर्शित करते हुए, देश भर में इसी तरह के आयोजनों के लिए एक प्रेरक उदाहरण के रूप में कार्य करती है। मेले का स्वच्छता अभियान स्वच्छ जीवन शैली अपनाने को बढ़ावा देता है।

गुजरात का जल उत्सव
नागरिक नेतृत्व से परिवर्तन

जल ही जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण संसाधन है। धरती का दो-तिहाई भूभाग पानी, यानी समुद्र एवं महासागरों से भरा हुआ है, मगर केवल यह प्रचुरता इस पानी को पेय जल की गुणवत्ता नहीं देती। समुद्र के पानी में बहुत अधिक मात्रा में लवणता पाई जाती है। हालाँकि नदी का पानी सागर के पानी से भिन्न होता है, समकालीन मानव सभ्यता के उपक्रमों ने इस पानी से उसके पेय जल होने का दर्जा छीन लिया है। अब इस पानी को शुद्धिकरण किए बगैर पिया नहीं जा सकता।

भारत को भी इसी तरह की जल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हमारे देश में दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी रहती है, मगर धरती के सिर्फ़ 4 प्रतिशत जल संसाधन हमारे पास हैं।

अपने 'मन की बात' के 107वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मुद्दे का संज्ञान लेते हुए जल के महत्त्व को रेखांकित किया और उसकी अनिवार्यता से देश को अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर एक नागरिक की ज़िम्मेदारी है कि वह देश को जल संरक्षण में अपना योगदान दे। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने जल से सम्बंधित कई पहल की हैं। जल शक्ति अभियान, कैच द रेन, अटल भूजल योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के साथ देश भर में अमृत सरोवरों का निर्माण हुआ है। पारम्परिक जल संरक्षण प्रणालियों के बारे में जागरूकता फैलाते हुए, सरकार जल से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए लगातार काम कर रही है।

इन सारी पहलों की एक सामान्य प्रवृत्ति जनभागीदारी है। भारत के हर वर्ग के नागरिक सक्रियता से सरकार की पहल में भाग ले रहे हैं। कुछ नागरिक सरकार से प्रेरित होकर निजी पहल में अपने पूरे समुदाय को शामिल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गुजरात के अमरेली में सावजी ढोलकिया द्वारा किए गए ऐसे ही एक बड़े प्रयास का उल्लेख किया। हाल ही में मैंने उन्हें गुजरात के अमरेली से सावजी ढोलकिया के बारे में बताया। उन्होंने ढोलकिया फाउंडेशन द्वारा 'जल उत्सव' आयोजित करने के प्रयासों की प्रशंसा की।

गुजरात के अमरेली में आयोजित 'जल उत्सव' के दौरान, झीलों जैसे जल निकायों के संरक्षण हेतु जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए। जागरूकता फैलाने के लिए जल खेलों को भी बढ़ावा दिया गया और जल सुरक्षा पर विशेषज्ञों के साथ मंथन भी किया गया। यह उत्सव जन-जन में जल संरक्षण के बारे में एक नई उमंग भरने के उद्देश्य से कराया गया। अनुमानित है कि 1.5 लाख प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया।

इस जल उत्सव में सांस्कृतिक समारोह भी शामिल थे। पारम्परिक नृत्य, संगीत प्रदर्शन, खान-पान इन सबकी थीम जल संरक्षण से जुड़ी हुई थी। ढोलकिया फाउंडेशन ने गुजरात राज्य सरकार के साथ मिलकर 15 से 25 नवम्बर, 2023 तक इस दस दिवसीय उत्सव का आयोजन किया।

ढोलकिया फाउंडेशन ने 140 से अधिक तालाब, गुजरात के जल की कमी वाले इलाकों में बनाए हैं, जिनमें कुल 15 अरब लीटर से ज़्यादा पानी है। ये पानी 3 लाख से अधिक स्थानीय नागरिकों को लाभ पहुँचा रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी UN डिकेड ऑन इकोसिस्टम रेस्टोरेशन में एक भागीदार के रूप में फाउंडेशन के काम का संज्ञान लिया है। प्रधानमंत्री की सराहना के बाद ढोलकिया फाउंडेशन के संस्थापक सावजी ढोलकिया ने उनका आभार व्यक्त किया और जल संरक्षण के बारे में बात की।

"हमारे लिए यह एक बहुत बड़ी बात है कि 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने फाउंटेन और वाटर स्पोर्ट का ज़िक्र किया और तिरंगा फाउंटेन का भी ज़िक्र किया। यह हमारे लिए और गुजरात सरकार के लिए एक बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। लोगों को भी यह पता चला कि भविष्य में पानी की कितनी ज़रूरत है। हमें इस पर फोकस करना चाहिए। मैंने जो भी कार्य किया, उसमें समय-समय पर मेरा उत्साहवर्धन करने के लिए मैं नरेंद्र भाई को धन्यवाद देता हूँ।"

सावजी ढोलकिया, संस्थापक, ढोलकिया फाउंडेशन

भविष्य निर्माण
कौशल विकास की शक्ति

एक कुशल कार्यबल वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाता है, निवेश को आकर्षित करता है, आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। लोगों को सशक्त बनाता है, सामाजिक-आर्थिक अंतर को पाटता है तथा सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा देता है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) जैसी उल्लेखनीय योजनाओं ने कौशल प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की है, जिससे रोज़गार और उद्यमिता में वृद्धि हुई है। **लूम्स ऑफ लद्दाख**, जिसका उल्लेख 107वीं 'मन की बात' सम्बोधन में किया गया, लद्दाख की एक सहकारी समिति है, जिसमें 16 गाँवों की 450 से अधिक महिलाएँ शामिल हैं, जो दुनिया के सामने अपनी पश्मीना की कला का प्रदर्शन करती हैं।

चुमुर गाँव की महिलाओं द्वारा बुने हुए पश्मीना मोजे से प्रेरित होकर, लूम्स ऑफ लद्दाख के सह-संस्थापक जी प्रसन्ना, अभिलाषा बहुगुणा ने बुनाई में प्रशिक्षित 150 महिलाओं के साथ प्रोजेक्ट लक्सल नामक एक कौशल विकास पहल की स्थापना की। अब वे उत्पाद बना कर और उन्हें विभिन्न मेलों और प्रदर्शनियों में बेच सकते थे या कुछ स्थानीय अभिजात्य वर्ग के लिए काम करते हैं। नाबार्ड के योगदान से भारत-चीन सीमा पर स्थित चुशुल में एक सौर ऊर्जा चालित स्टूडियो स्थापित किया गया है। 2017 में अपनी स्थापना के बाद से लूम्स ऑफ लद्दाख ने महिलाओं को स्वतंत्र और आत्मविश्वासी बनने के लिए सशक्त बनाया है।

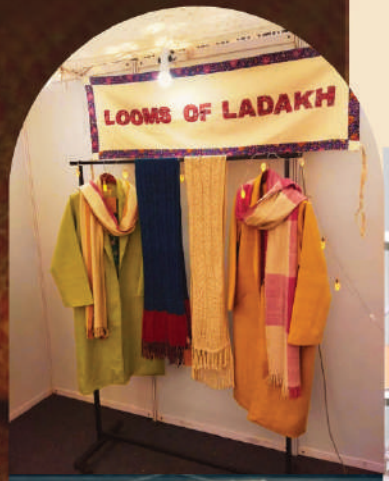

परिवर्तन की अगुआई
यूथ क्लब बेज्जीपुरम

यूथ क्लब - बेज्जीपुरम (आन्ध्र प्रदेश) 1980 में 20 शिक्षित, प्रतिबद्ध सदस्यों के साथ उभरा, जो गाँधी के ग्रामीण पुनर्निर्माण और अहिंसा और स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों से प्रभावित थे। इसका लक्ष्य वंचितों की सेवा करना, आपसी सहयोग को बढ़ावा देना, स्वयं सहायता और समावेशी निर्णय के लिए लोगों को सशक्त बनाना था और उनमें मानवीय मूल्यों के निर्माण को पोषित करना था। बेज्जीपुरम यूथ क्लब ने 7000 महिलाओं को सशक्त और स्व-रोज़गार में सक्षम बनाया है। बच्चों को बाल श्रम से बचाकर विभिन्न कौशल में प्रशिक्षित किया है और किसान उत्पादक संगठनों में किसानों को प्रशिक्षण दिया है।

"मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का आभारी हूँ कि उन्होंने हमारे यूथ क्लब बेज्जीपुरम का उल्लेख 'मन की बात' कार्यक्रम में किया। 1980 में इसकी स्थापना के बाद से 10,000+ बच्चों और 12,000+ वयस्कों को शिक्षित किया गया है तथा 7,000+ महिलाओं और युवाओं को स्वरोज़गार के लिए प्रशिक्षित किया गया है। नाबार्ड के सहयोग से हमने 2000 किसानों को विशेष रूप से प्राकृतिक कृषि प्रणाली में कई तरीकों से प्रशिक्षित किया है।"

- एम. प्रसाद राव, अध्यक्ष, वाईसीबी

परिवर्तन की गूँज

'मन की बात' का समाज पर प्रभाव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' भारत के नागरिकों को सूचित करने, शिक्षित, और प्रेरित करने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में उभरा है। नौ वर्षों (107 एपिसोड्स) में इस कार्यक्रम ने न केवल प्रधानमंत्री को भावनात्मक स्तर पर लोगों से जोड़ा है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नीतिगत पहलों को भी प्रेरित किया है।

'मन की बात' ने महत्त्वपूर्ण अभियानों और जन आंदोलनों के लिए एक लॉन्चिंग पैड की भूमिका अदा की है, जो नागरिकों को ज़रूरी मुद्दों पर विचार करने और भागीदारी के प्रति प्रेरित करता है। 'मन की बात' की भावनात्मक अपील और प्रत्यक्ष जुड़ाव ने इस कार्यक्रम को परिवर्तन के एक महत्त्वपूर्ण प्रवर्तक के रूप में स्थापित किया है, जो भारत के विकास में योगदान देने के लिए लोगों को सक्रिय रूप से शामिल करता है।

'मन की बात' का समाज में दूरगामी प्रभाव पड़ा है। प्रधानमंत्री अपने रेडियो कार्यक्रम में महिला कल्याण, योग को बढ़ावा देने, हस्तशिल्प और खादी के पुनरुत्थान जैसे विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डालते हैं।

'वेस्ट टू वैल्थ' का बदलाव

"मैंने बायोइंफॉर्मेटिक्स में एम.टेक की डिग्री हासिल की, लेकिन केले और विभिन्न पौधों की खेती पर केंद्रित हमारी खेती को कोविड के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ा, विशेषकर केले का अत्यधिक उत्पादन और कोई खरीदार न होने के कारण उनकी बर्बादी देखना निराशाजनक था। तभी मेरी नज़र दूरदर्शन के एक कार्यक्रम 'मन की बात' पर पड़ी, जिसमें प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के लोगों द्वारा केले के कचरे को हस्तशिल्प में बदलने का ज़िक्र किया था। इससे प्रेरित होकर मैंने अपने खेत में बदलाव लाने का एक तरीका सोचा। हम KVK पहुँचे और उनकी एक्सट्रैक्शन मशीन देखने के बाद मैंने तमिलनाडु की यात्रा की और एक मशीन खरीदी। अब मई, 2021 से दो मशीनों के साथ हमने KVK और NABARD द्वारा समर्थित केले के कचरे को एक सम्पन्न व्यवसाय में बदल दिया है। पिछले साल, कर्नाटक के मूडबिद्री में एक विश्व स्काउट जम्बूरी में मैंने अपने केले-आधारित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रदर्शित किया था। धीमी शुरुआत के बावजूद, ज़िला प्रशासन KVK और NABARD द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी ने हमारी मार्केटिंग को बढ़ावा दिया है। अब बिक्री बढ़ रही है और यह देखकर खुशी हो रही है कि हमारे प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।"

वर्षा, चामराजनगर, कर्नाटक

अमरोहा का अनोखा रेडियो संग्रहालय

आज मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री ने रेडियो संग्रहालय की सराहना की और साथ ही 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान मेरे प्रयासों को व्यक्तिगत रूप से मान्यता दी। यह भाव न केवल मेरे काम को मान्यता प्रदान करता है, बल्कि उत्तर प्रदेश के पूरे अमरोहा जिले की सराहना भी करता है।

मैं लम्बे समय से इस प्रयास के लिए समर्पित हूँ और प्रधानमंत्री का समर्थन संचार के माध्यम के रूप में रेडियो के महत्त्व को रेखांकित करता है। 3 अक्तूबर, 2014 को 'मन की बात' की शुरुआत ने रेडियो को एक शक्तिशाली साधन के रूप में चुनने के उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया।

रेडियो के महत्त्व को पहचानते हुए मैंने एक समर्पित संग्रहालय स्थापित करने का मिशन शुरू किया। आश्चर्य की बात यह है कि मेरे अन्वेषण से पता चला कि पूरे देश में कोई रेडियो संग्रहालय नहीं है। इस अहसास से प्रेरित होकर मैंने लगन से विभिन्न कम्पनियों के 1,000 से अधिक रेडियो मॉडलों का एक विविध संग्रह एकत्र किया, जिससे यह संग्रहालय भारत में अपनी तरह का पहला संग्रहालय बन गया।

प्रधानमंत्री की स्वीकृति इस प्रयास की विशिष्टता और महत्त्व को रेखांकित करती है। रेडियो संग्रहालय के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्य को पहचानने के लिए मैं उनका बहुत आभारी हूँ।

राम सिंह बौद्ध, अमरोहा, उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री के शब्दों की प्रतिध्वनि करते विंटेज रेडियो

'मन की बात' से प्रेरित होकर अहमदाबाद के पास तीर्थधाम-प्रेरणातीर्थ ने भारत और विदेश के 100 से अधिक प्राचीन रेडियो की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी ने 'मन की बात' के सभी एपिसोड सुनने का अनूठा अवसर प्रदान किया।

'मन की बात' के 24 घंटे के लगातार प्रसारण के दौरान हमने बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सहित विविध समूहों को शामिल करके एक विश्व रिकॉर्ड बनाया। कार्यक्रम का समावेशी दृष्टिकोण स्पष्ट था, क्योंकि हमने प्रत्येक राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 14 भाषाओं में सामग्री का पाठ किया था।

'मन की बात' के नौ वर्षों की प्रदर्शनी ने 22 दिनों में एक लाख से अधिक आगंतुकों को आकर्षित किया, जो कार्यक्रम के व्यापक प्रभाव को दर्शाता है। इस कार्यक्रम ने सभी उम्र और पृष्ठभूमि के नागरिकों के लिए प्रधानमंत्री के निरंतर प्रयासों और 'मन की बात' कार्यक्रम से जुड़े लोगों के बीच भावनात्मक सम्बंध को बढ़ावा देने पर प्रकाश डाला। हमारी प्रदर्शनी न केवल एक रिकार्ड स्थापित करने का प्रयास थी, बल्कि पूरे भारत में विविध दर्शकों को एकजुट करने, उन्हें प्रेरित करने और उनके बीच जागरूकता पैदा करने की कार्यक्रम की क्षमता का एक प्रमाण भी थी।

हर्षद पटेल, ट्रस्टी, तीर्थधाम प्रेरणातीर्थ, अहमदाबाद (गुजरात)

मन की बात

प्रतिक्रियाएँ

Akash Bansal
Founding member - SCA | Founder at Project Surat | Serial Entrepreneur | Fuel | Logistics | Fitness ...
14h

A Major Milestone achieved by Project Surat Team - featured on Mann Ki Baat by Prime Minister Mr. Narendra Modi

Narendra Modi @narendramodi · 6h

A team of enthusiastic youngsters in Surat are at the forefront of making their city clean and vibrant. #MannKiBaat

112 · 1.3K · 4.1K · 156K

19 · 3 Comments

CGPDTM INDIA
@cgpdtm_india

"PM Narendra Modi shares exciting news in Mann Ki Baat: Indian patent applications surged by over 31% in 2022, marking a remarkable growth. India ranks among the top 10 countries globally in patent filings. Innovate, progress, and make our mark on the global stage!

2:25 PM · Nov 26, 2023 · 92 Views

Piyush Goyal
@PiyushGoyal

Vocal For Local की सफलता, विकसित भारत - समृद्ध भारत के द्वार खोल रही है।

#MannKiBaat

1:14 PM · Nov 26, 2023 · 26.6K Views

Som Parkash सोम प्रकाश
@SomParkashBJP

विकसित भारत का निर्माण
कर्तव्यों को प्राथमिकता के साथ

-प्रधानमंत्री श्री @NarendraModi जी

#MannKiBaat

3:54 PM · Nov 26, 2023 · 181 Views

Office of Mr. Anurag Thakur
@Anurag_Office

The Nari Shakti Vandan Adhiniyam is an example of the Sankalp Shakti, the strength of the resolve of the Democracy. This will provide a fillip to the pace of accomplishing our resolve of a developed India.

#MannKiBaat

11:59 AM · Nov 26, 2023 · 331 Views

Smriti Z Irani
@smritiirani

The Bejjipuram Youth Club in Srikakulam, Andhra Pradesh, is scripting tales of empowerment for over 7000 women through skill development.

Kudos to their dedication and incredible efforts towards nation-building.

3:25 PM · Nov 26, 2023 · 108.9K Views

Himanta Biswa Sarma
@himantabiswa

Hon PM Shri @narendramodi Ji rightly underscores that cleanliness is not just a short-lived campaign but an enduring commitment essential for a lifetime.

#MannKiBaat

12:14 PM · Nov 26, 2023 · 10.1K Views

Bhupendra Patel
@Bhupendrapbjp

માનનીય પ્રધાનમંત્રી શ્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદીના માર્ગદર્શનમાં સ્વચ્છ ભારત અભિયાનને દેશભરના લોકોનો ઉમળકાભેર પ્રતિસાદ સાંપડ્યો છે. માનનીય પ્રધાનમંત્રીશ્રીએ આજે #MannKiBaat કાર્યક્રમમાં સુરત અને અંબાજી ખાતેના સ્વચ્છતાના પ્રેરણાદાયી પ્રયાસોની વાત કરી.

સાચા આશયથી શરૂ થયેલ કામમાં જ્યારે લોકો સ્વયંભૂ જોડાઈ જતા હોય છે, સુરતમાં યુવાનો દ્વારા શરૂ થયેલ સ્વચ્છતાની પહેલ તેમજ અંબાજીમાં સ્વચ્છતાની કામગીરીમાં જોડાયેલ સૌ કોઈને ખૂબ-ખૂબ અભિનંદન.

Translate post

10:36 PM · Nov 26, 2023 · 7,827 Views

Dr Tamilisai Soundararajan
@DrTamilisaiGuv

கோவை,சூலூர் பகுதியைச் சேர்ந்த கூலித்தொழிலாளி திரு.லோகநாதன் அவர்கள்
கழிவறைகளை சுத்தம் செய்து அதில் கிடைக்கும் வருமானம் மூலம் ஏழை,எளிய குழந்தைகளின் கல்விக்கு உதவி வருவதை மரியாதைக்குரிய @PMOIndia திரு.@narendramodi அவர்கள் மனதின் குரல் நிகழ்ச்சியில் வெகுவாக பாராட்டியுள்ளார்கள்.

சகோதரர் திரு.லோகநாதன் அவர்களுக்கு எனது மனமார்ந்த வாழ்த்துக்களும்,பாராட்டுக்களும்.

#MannKiBaat

Translate post

10:22 PM · Nov 26, 2023 · 2,647 Views

India in Saudi Arabia
@IndianEmbRiyadh

It's a matter of great honour for the Indian Community in 🇸🇦 that Hon'ble PM @narendramodi mentioned about the Sanskrit Utsav event in #MannKiBaat. The Event which was entirely in Sanskrit was organised by the Embassy & the Indian Community on Nov 5 as part of Diaspora Week.

"Samskritotsava" took place on November 5. The entire programme was in Sanskrit & recognised the efforts by the Indian Community in keeping the language of India's ancient wisdom, civilization, history & traditions alive in KSA.

PMO India and 9 others

12:44 PM · Nov 26, 2023 · 3,799 Views

LAHDC LEH
@LAHDC_LEH

In today's episode of #MaanKiBaat PM @narendramodi spoke about famous GI Tagged #LadakhPashmina & how cooperative & collaborative initiative of 'Looms of Ladakh' gave Pashmina a facelift & promotion in global market supporting local women financially engaged in its production.

12:08 AM · Nov 27, 2023 · 968 Views

Sangeet Natak Akademi
@sangeetnatak

The Hon'ble Prime Minister of India applauded the organization of Chhau Parva - the festival of Chhau dance in Maan ki Baat today.
The Chhau Parva was organized by Sangeet Natak Akademi in collaboration with the Dept. of Art, Culture and Languages, Jammu & Kashmir.

7:51 PM · Nov 26, 2023 · 167 Views

One District One Product
@ODOP_IND

Team @ODOP_IND is thankful to Hon'ble PM @narendramodi for appreciating the efforts of @loomsofladakh, an #ODOP tagged brand, in the 107th episode of #MannkiBaat, giving the women weavers of pashmina shawls from #Ladakh a larger stage.

#OneDistrictOneProduct @ig_ladakh

Darshana Jardosh and 8 others

4:21 PM · Nov 28, 2023 · 303 Views

NCUI @ncuicoop

Honourable Prime Minister of India Shri @narendramodi ji recognized and appreciated Looms of Ladakh in the 107 th TV episode of Mann ki Baat on Constitution Day. Looms of Ladakh is spearheading grassroots democracy in luxury industry building. It is India's luxury cooperative which is building a hub and spoke model of apparel manufacturing in the frontier villages of Ladakh.
In accordance with NCUI's missionary objective to support and train coops of all types, 40 members of Looms of Ladakh were benefitted through LDP programme of NCCE held in June 2023. In September 2023, NCUI President @Dileep_Sanghani & Dy CE Savitri Singh addressed the 6th Annual General Meeting of Looms of Ladakh in Leh & provided guidance & encouragement to the members of this coop. NCUI continues to provide leadership mentoring to this coop so that it can carve it's own niche in the competitive economy.
Looms of Ladakh has successfully mobilized 400 members in 16 villages of two districts of Leh & Kargil. True to its democratic character, the cooperative till date has organized six Annual General Body meetings & conducted three elections to its management positions. This cooperative has a bright future ahead.
#MannKiBaat #NarendraModi #loomsofladakh #ncui

Pema Khandu @PemaKhanduBJP

If we celebrate the festivities of weddings on Indian soil, amid the people of India, the country's money will remain in the country. ~ Hon PM Shri @narendramodi Ji in his popular #MannKiBaat

Come let us follow Hon PM's appeal and choose wedding venues within our country.

Arunachal Pradesh, adorned with enchanting landscapes, serene hills and cascading waterfalls, can be your dream destination for the grand occasion.

We have exotic locales, pleasant climate to offer you.

Let us strengthen #VocalForLocal!

Indian Diplomacy @IndianDiplomacy

In #MannKiBaat today, PM @narendramodi talked about the Sanskrit Festival which was held in Saudi Arabia.

The festival was unique as the entire programme was conducted in Sanskrit language.

Ministry of Culture

1:47 PM · Nov 26, 2023 · 6,438 Views

Looms of Ladakh 4d

Looms of Ladakh family expresses heartfelt gratitude to Honourable Prime Minister Shri @narendramodi ji for recognising and encouraging our efforts and journey in the 107th episode of Man Ki Baat on Constitution Day. We shall keep striving for democracy at grassroots industry level with your blessings 🙏

Haar nahin manenge
Raar nahin thanenge

Team Looms of Ladakh
@anakinwarlts @shakeela7972 Kunzang Dolma Thinles Chorol Dechen Tsomo Amina Bano Padma Tashi
@abhilasha.bahuguna @phunk_wangmo6
The Masters and the 400 women in 15 villages of Leh and Kargil districts

Yogi Adityanath @myogiadityanath

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी ने @mannkibaat कार्यक्रम में उ.प्र. के जनपद अमरोहा निवासी श्री राम सिंह बौद्ध जी के 'रेडियो म्यूजियम' का उल्लेख किया है।

यह म्यूजियम रेडियो प्रेमियों की विरासत का संरक्षण है, जो आने वाली पीढ़ियों को रेडियो की विकास यात्रा से साक्षात्कार कराएगा।

श्री राम सिंह बौद्ध जी के उत्साहवर्धन हेतु आपका हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी।

Translate post

1:42 PM · Nov 26, 2023 · 89.1K Views

Dr. S. Jaishankar @DrSJaishankar

#MannKiBaat continues to inspire fellow countrymen in different ways, be it Varsha Ji of Chamarajanagar making organic fertilizer from bananas or radios becoming more popular in our households.

PMO India @PMOIndia · Nov 26
Motivated by an episode of #MannKibaat, Varsha Ji of Chamarajanagar started the work of making organic fertilizer from bananas.

4:17 PM · Nov 26, 2023 · 19.3K Views

Dharmendra Pradhan @dpradhanbjp

#MannKiBaat कार्यक्रम देशवासियों के लिए
आज एक उत्सव का रूप ले चुका है।

Skill development के बढ़ते महत्व, हुनर को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश के बेल्जीपुरम youth club के प्रयास, जय अनुसंधान के मंत्र को आत्मसात करते हुए IPR के क्षेत्र में युवा शक्ति द्वारा रचे जा रहे कीर्तिमान, #VocalForLocal को मिल रहे जनसमर्थन, ओड़िशा, बंगाल, झारखंड के प्रसिद्ध छऊ नृत्य के बारे में चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री @narendramodi जी का धन्यवाद करता हूँ।

Translate post

2:35 PM · Nov 26, 2023 · 5,709 Views

PM: If we hold marriages in India, country's money will remain here

Dipak.Dash@timesgroup.com

'VOCAL FOR LOCAL'

New Delhi: Making a pitch for holding destination weddings within the country instead of overseas venues, PM Modi in his Mann ki Baat address on Sunday said this would promote the development of such high-end infrastructure in India and lead to job creation.

"Since the topic of marriage has come up, one thing has been troubling me off and on for a long time... and if I don't open up my heart's pain to my family members, who else do I do it with? Just ponder, these days a new milieu is being created by some families to go abroad and conduct weddings. Is this at all necessary? If we celebrate the festivities of marriages on Indian soil, amid the people of India, the country's money will remain in the country," Modi said.

He added that if rich families did so, people here would get an opportunity to render some service or the other at such weddings and even the poor would tell their children about the occasion. "Can you extrapolate on this mission of 'Vocal for Local'? Why don't we hold such wedding ceremonies in our own country? It is possible that the kind of system you want may not be there today, but if we organise such events, systems will also develop. This is a topic related to very big families. I hope this pain of mine will definitely reach those big families," the PM said.

Highlighting that the success of Swachh Bharat Mission had inspired the 'Vocal for Local' campaign, he said this was opening the doors to a developed and prosperous India, as it strengthened the economy and was a guarantee of employment. "This provides equal opportunities to both urban and rural people. This also paves the way for value addition in local products, and if there are ups and downs in the global economy, the mantra of 'Vocal for Local' also protects our economy," he added.

Modi said the sentiment of becoming vocal towards Indian products should not be limited to only festivals and should extend to weddings. He said some trade organisations had estimated that there could be business of around Rs 5 lakh crore during this wedding season.

The PM also highlighted the declining trend of cash payments during Diwali as more people were now making digital payments. He urged people to try not to use cash at all for a month and make payments only through UPI or other digital mediums. He also asked such users to share their experiences and photos.

Mann Ki Baat: PM urges people to use 'Made in India' products

Our Bureau
New Delhi

Prime Minister Narendra Modi

Prime Minister Narendra Modi on Sunday urged citizens to buy 'Made in India' products while informing them that business worth more than ₹4-lakh crore has been done in the country during the festival period, and some trade organisations estimate that there could be a business of around ₹5-lakh crore during this wedding season.

"Last month in 'Mann Ki Baat', I had emphasis on 'Vocal for Local'. Within the last few days, business worth more than ₹4-lakh crore has been done in the country on Diwali, Bhaiya Dooj, and Chhath Puja. And during this period, tremendous enthusiasm was seen among the people for buying 'Made in India' products. Speaking in the 107th episode of 'Mann Ki Baat', Modi said that the very success of 'Swachh Bharat Abhiyan' is becoming its inspiration, the success of 'Vocal for Local' is opening the doors to a 'Developed India, Prosperous India'.

"This campaign of 'Vocal for Local' strengthens the economy. The Vocal for Local campaign is a guarantee of employment. This is a guarantee of balanced development in the country and provides equal opportunities to both urban and rural people," he noted.

The PM also noted that this is the second consecutive year when the trend of buying goods through cash payments on the occasion of Deepawali is on the decline. That means people are making more digital payments now.

'MAKE UPI PAYMENTS'

"This is also very encouraging. You can do one more thing. Decide for yourself that for one month you will make payments only through UPI or any digital medium and not through cash. The success of the digital revolution in India has made this absolutely possible. And when one month is over, please share your experiences and your photos with me," he urged.

Meanwhile, the Prime Minister also informed that there has been an increase of more than 31 per cent in patent applications by Indians in 2022, as per a recent report by the World Intellectual Property Organisation.

PM Modi Hails 'Vocal for Local' Success During the Festivals

In his 'Mann ki Baat', the prime minister gives call to carry it out during wedding season as well

Our Political Bureau

ANI

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi has hailed the enthusiastic response to 'Vocal for Local' in the country during the recent festivals with business worth ₹4 lakh crore being transacted and urged people to follow this principle during the forthcoming marriage season by buying products produced in India. He emphasised that this drive opens the doors for a prosperous and developed India by boosting the economy and creating jobs.

In his monthly 'Mann ki Baat' address on Sunday, the prime minister said, "Within the last few days, business worth more than ₹4 lakh crore has been done in the country on Diwali, Bhaiya Dooj and Chhath festivals. During this period, tremendous enthusiasm was seen among the people in buying products that were Made in India. Now even children have begun checking whether the product they are buying at a shop has Made in India mentioned on it. Nowadays some people even check the Country of Origin label while purchasing goods online."

He maintained that just as Swachh Bharat movement became an inspiration for the nation, the success of 'Vocal for Local' will open doors to a 'Developed India-Prosperous India'.

Enumerating the benefits of 'Vocal for Local', Modi said, "This campaign strengthens the economy of the entire country. The campaign is a guarantee of employment; a guarantee of development; of balanced development of the country. This provides equal opportunities to both urban and rural people. It also paves the way for value addition to local products, and in case there are upheavals in the global economy, the mantra of 'Vocal for Local' will also protect our economy."

The prime minister insisted this process should continue in the coming months just as other programs initiated during the last few years.

"This sentiment towards Indian products should not be limited to festivals only. The wedding season has commenced. Some trade organisations estimate that there could be a business of around ₹5 lakh crore during this wedding season. While shopping for weddings, all of you should give importance to products that are Made in India."

He also appealed to those families which organise their weddings abroad to do so in India.

"One thing has been troubling me off and on for a long time... A new trend is being created by some families — to conduct their weddings abroad. Is this at all necessary? If we celebrate the festivities of marriages on Indian soil, amid the people of India, the country's money will remain within the country. Our people will get an opportunity to render some service or the other at your wedding..., even poor people will tell their children about that occasion. Can you extrapolate on this mission of 'Vocal for Local'? Why don't we hold such wedding ceremonies in our own country?" he said.

Pay only via UPI for 1 month: Modi

BS REPORTER & AGENCIES
New Delhi, 26 November

Prime Minister Narendra Modi on Sunday hailed the success of the digital revolution in India and urged people to rely more on Unified Payments Interface (UPI) applications or other digital payment modes for transactions.

In his monthly *Mann Ki Baat* radio broadcast, he said the trend of cash transactions has been declining in the country. "UPI payments have increased in the past months and I urge you to only make UPI payments for the upcoming month," he said.

Reiterating his vocal-for-local pitch, Modi said people purchased more local goods than before during Diwali, Bhai Dooj and Chhath festivals this year. A great deal of enthusiasm was seen among people to buy made-in-India products, he said, adding the success of vocal-for-local is opening the doors to a developed and prosperous India.

Modi urged families to refrain from organising weddings abroad, asserting that such celebrations should be held within the country to boost the local economy.

"These days a new trend is in vogue. Some rich families go abroad for weddings. Is this at all necessary? It is possible that the system you want may not be here today, but if we organise such events, systems will also evolve," he said.

On the anniversary of the 26/11 Mumbai attack, he said the country can never forget what happened on November 26. "It was on this day that the most heinous terrorist attack took place in the country. Terrorists had shaken up Mumbai and the entire country. But, it is India's capability that we recovered from that attack and now we are also crushing terrorism with full courage," he asserted.

> **'VOCAL FOR LOCAL' WEDDINGS**
> These days a new trend is being created by some families to go abroad and conduct weddings. Is this at all necessary?... Why don't we hold such wedding ceremonies in our own country?"
> NARENDRA MODI
> PRIME MINISTER

> Some trade organisations estimate that there could be a business of about ₹5 trillion during this wedding season, Modi said

PM mentions Amroha's 'radio man' in MKB

Rahul.Singh1
@timesgroup.com

Meerut: In his 'Mann Ki Baat' programme on Sunday, Prime Minister Narendra Modi appreciated the efforts made by 67-year-old Ram Singh Bouddh, a resident of Gajraula in UP's Amroha district, who has so far collected 1,100 radio sets.

On April 29 this year, in an exclusive story, TOI had highlighted in detail Singh's love for radio and his collection. The story also mentioned how Singh got inspired by the PM's radio programme in 2014 and started collecting different types of radio sets.

'YOU READ IT HERE'

Video killed the radio star? Not for this 67-year-old in UP

Ram Singh Bouddh From Gajraula Has Collected Over 1,500 Old Radio Receivers And Is Eyeing A Spot In Guinness World Records

Talking about Singh's efforts, Modi said, "In Mann Ki Baat, we talk about such initiatives that have led to major social changes. Another achievement of Mann Ki Baat is that it has made radio more popular. I have received a letter from Ram Singh Bouddh ji from Amroha in Uttar Pradesh on 'MY-GOV'. He has been collecting radios for many decades. He says after Mann Ki Baat, peoples' curiosity about his museum has increased..."

UP CM Yogi Adityanath also posted on 'X' about the PM mentioning Singh's 'radio museum'. "...This museum is a preservation of the heritage of radio lovers, which will give the coming generations an insight into the evolution of radio..."

Retired from the post of supervisor at the Warehouse Corporation of India, Singh spends most of his time with the radios he's collected over the years, spending lakhs of rupees.

'पूरे हौसले के साथ आतंकवाद को कुचल रहे'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मुंबई में 26 नवंबर को हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर कहा कि भारत ने आज के दिन सबसे जघन्य हमले का सामना किया था लेकिन यह देश की क्षमता थी कि यह उस हमले से उबर गया और पूरे हौसले के साथ 'आतंकवाद को कुचल' रहा है।

26/11 कभी भूल नहीं सकते: आकाशवाणी पर प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोदी ने मुंबई हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश वीर शहीदों को याद कर रहा है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर का दिन हम कभी भी भूल नहीं सकते हैं। प्रधानमंत्री ने 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने को याद करते हुए देशवासियों को 'संविधान दिवस' की बधाई दी।

नारी शक्ति वंदन का जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे संतोष है कि संविधान निर्माताओं की उसी दूरदृष्टि का पालन करते हुए अब भारत की संसद ने 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पारित किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के लोकतंत्र की संकल्प शक्ति का उदाहरण है और यह विकसित भारत के संकल्प को गति देने के लिए भी सहायक होगा।

वोकल फॉर लोकल

मोदी ने कहा कि त्योहारों के मौसम में भारत में बने उत्पादों को खरीदने का उत्साह देखा गया। उन्होंने देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को त्योहारों तक ही सीमित न रखने की अपील की और कहा, शादी के मौसम में भी स्थानीय उत्पादों को महत्व दें।

देश का धन बाहर न जाए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ बड़े परिवारों द्वारा विदेशों में शादियां करने के चलन पर पीड़ा जताई। मोदी ने ऐसे लोगों से आग्रह किया कि वे भारत में ही ऐसे समारोह आयोजित करें ताकि देश का धन इससे बाहर नहीं जाए।

आतंकवाद को कुचल रहे, 26/11 भूलेंगे नहीं: PM

यह भारत का सामर्थ्य है कि हम मुंबई हमले से उबरे और पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं। पूरा देश जांबाज शहीदों को याद कर रहा है। -नरेन्द्र मोदी

पूछा, विदेश में शादी क्या जरूरी है?

संविधान दिवस पर 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी का कांग्रेस पर परोक्ष हमला

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में कटौती के लिए हुआ था पहला संविधान संशोधन

मुंबई आतंकी हमले को कभी नहीं भूल सकते

विदेश में शादियों के आयोजन पर पीएम ने व्यक्त की मन की पीड़ा

MANN KI BAAT Modi pays tribute to martyrs of 26/11 terror attacks on the 15th anniversary

'India crushing terror with all courage'

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में कहा

'जल संरक्षण करना जीवन को बचाने से कम नहीं'

सऊदी अरब में संस्कृत उत्सव, भारत के नारा देहात के मेलों की चर्चा

महिला आरक्षण से विकसित राष्ट्र बनाने में मदद मिलेगी : मोदी

मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी बोले

शादी की खरीददारी में लोकल पर जोर रखें

इंटेलिजेंस, इनोवेशन भारतीय युवाओं की पहचानः मोदी

लोकल के लिए वोकल बनें। लोकल प्रोडक्ट खरीदते समय UPI डिजिटल पेमेंट सिस्टम से भुगतान करने की आदत डालें। - नरेंद्र मोदी, पीएम

'प्रोजेक्ट सूरत' पर बात

जल सुरक्षा बड़ी चुनौती

ਪੂਰੇ ਹੌਂਸਲੇ ਨਾਲ ਅੱਤਵਾਦ ਨੂੰ ਜੜ੍ਹੋਂ ਪੁੱਟ ਰਿਹੈ ਭਾਰਤ: ਮੋਦੀ

ਅੱਜ ਦੇ ਦਿਨ ਦੇਸ਼ ਨੇ ਕੀਤਾ ਸੀ ਸਭ ਤੋਂ ਘਿਨਾਉਣੇ ਹਮਲੇ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ: ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ

ભારત પોતાના સાહસ સાથે ત્રાસવાદને કચડી રહ્યું છે : પીએમ મોદી

મન કી બાત રેડિયો કાર્યક્રમમાં મોદીએ 26-11ના મુંબઈ હુમલામાં જીવ ગુમાવનારાઓને શ્રદ્ધાંજલિ આપી

લોકો લગ્ન કરવા માટે વિદેશમાં જાય તેનાથી મને દુઃખ થાય છે : મોદી

ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀଙ୍କ ରେଡ଼ିଓ ଅଭିଭାଷଣ 'ମନ୍ କି ବାତ୍'

'मन की बात'मध्ये मोदींचा दहशतवादावर हल्लाबोल

२६/११ च्या हल्ल्यातील शहिदांना वाहिली आदरांजली

पंढरपूरच्या छायाचित्रकाराचा गौरव

२६/११ च्या हल्ल्यातील हुतात्म्यांना आदरांजली

విదేశాల్లో వివాహాలు అవసరమా?

Modi urges 'big families' to shun destination weddings abroad

26/11 reminds of dangers of weak govt, says Modi

மும்பை தாக்குதலை மறக்க முடியாது

தீவிரவாதத்தை இந்தியா நசுக்குகிறது

വിവാഹത്തിന് വിദേശ വേദികൾ വേണ്ടെന്ന് പ്രധാനമന്ത്രി

രാജ്യത്തിന്റെ പണം പുറത്തേക്കൊഴുകുന്നത് തടയണം

'மனதின் குரல்' நிகழ்ச்சியில் பாராட்டு: பிரதமருக்கு கோவை கூலித் தொழிலாளி நன்றி

ভাৰতীয়ক বিদেশত বিয়া নাপাতিবলৈ আহ্বান

'মন কী বাত'ত মুম্বাইৰ সন্ত্ৰাসবাদী কাণ্ডৰ ঘটনাক স্মৰণ প্ৰধানমন্ত্ৰী নৰেন্দ্ৰ মোদীৰ

The Indian EXPRESS

Mann Ki Baat: India recovered from 26/11 shock, now crushing terror says PM

THE TIMES OF INDIA

PM Modi mentions Amroha's 'radio man' in 'Mann Ki Baat'

Hindustan Times

Mann Ki Baat Highlights: 'It has been year of limitless achievements for India', says PM Modi

THE HINDU

'Mann Ki Baat' - PM Modi urges people to use 'Made in India' products

जनसत्ता

Mann ki Baat: 'मन की बात' में पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दिया ये टास्क, जानिए 107वें एपिसोड की बड़ी बातें

आज तक

विदेश में जाकर शादी करना जरूरी है क्या? PM मोदी ने 'मन की बात' में पूछा सवाल, दिया ये सुझाव

अमर उजाला

Mann Ki Baat: मुंबई हमले की बरसी पर बोले पीएम मोदी- अब हम आतंक को मजबूती से कुचल रहे हैं

ಕನ್ನಡಪ್ರಭ

'ಮನ್ ಕಿ ಬಾತ್'ನಲ್ಲಿ ಚಾಮರಾಜನಗರದ ವರ್ಷಾ ಹೆಸರು ಪ್ರಸ್ತಾಪಿಸಿದ ಪ್ರಧಾನಿ ಮೋದಿ: ಇವರ ಸಾಧನೆ ಏನು?

नि-क्षय मित्र
टीबी मुक्त भारत के लिए जन भागीदारी
मन की बात
मेरी माटी मेरा देश
मन की बात

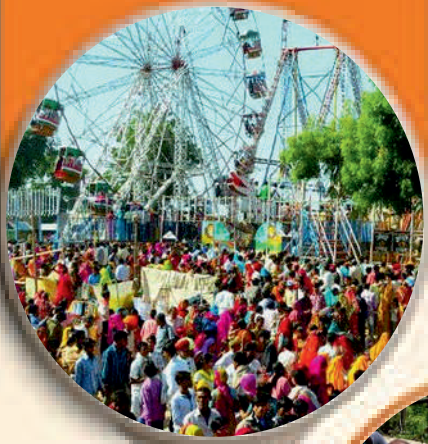

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार